जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 03 प्रभात जालोर, शुक्रवार 11 अप्रैल, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विश्व सदमे में है, पहले अमेरिका द्वारा लगाये गये टैरिफ से और फिर टैरिफ प्रक्रिया को अचानक आगे खिसकाने से

इस घटनाक्रम ने ट्रम्प की नीतियों की अनिश्चितता व अव्यवहारिकता पर से पर्दा हटा दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। ट्रंप के टैरिफ ने जब पूरी दुनिया और वित्तीय बाज़ारों को हिलाकर रख दिया है और ट्रंप ने इस नीति के क्रियान्वयन पर रोक लगाकर नेताओं से लेकर बाज़ार तक सभी को चौंका दिया है।

अब उतनी ही जल्दबाजी में उन्होंने रैसिप्रोकल टैरिफ का टाइम आगे खिसका दिया। उन्होंने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया, जिससे बाज़ारों में थोड़ा उछाल आया। उन्होंने चीन को छोड़कर सभी देशों को टैरिफ में राहत दी।

इस पूरे घटनाक्रम ने ट्रंप प्रशासन की पूर्णतया अप्रत्याशित तथा अवास्तविक कार्यप्रणाली को उजागर कर दिया है। उनके करीबी अधिकारियों, जिसमें अमेरिका के वाणिज्य सचिव भी शामिल हैं, को भी इस बारे में जानकारी नहीं थी। ट्रंप प्रशासन की अनिश्चितता ने एक बार फिर बाज़ार को प्रभावित किया और बाज़ार का उछाल थम गया।

आखिर ऐसा क्या हुआ कि अपनी बहुचर्चित टैरिफ नीति को उन्होंने रोक दिया, क्योंकि यह साफ तौर पर पीछे हटना ही है।

- पर, ऐसा क्यों हुआ? अमेरिका के ट्रैज़री सैक्रेटरी स्कॉट बैसैंट ने ट्रम्प के निजी निवास पर जाकर, अमेरिका के ''बॉण्ड मार्केट'' की स्थिति से उन्हें अवगत कराया।
- जैसा कि विदित ही है, कोई भी सरकार अपने पुराने ऋण नहीं चुकाती, केवल नये ऋण लेकर, पुराने ऋण की प्रतीकात्मक अदायगी करती है। पर, अगर, सरकार के बॉण्ड्स मार्केट में ढीले पड़ जायें तो बाज़ार से नया ऋण उठाने का क्रम टूट सकता है।
- शायद स्कॉट बैसैंट ने यह स्थिति ट्रम्प के सामने उजागर की और इससे मंदी का दौर (डिप्रैशन) शुरु होने की आशंका जताई।
- 1930 के ''ग्रेट डिप्रैशन'' के दृश्यों को अमेरिका भूला नहीं है और ''डिप्रैशन'' बड़ा भयानक शब्द है अमेरिका वासियों के लिये।
- बैसैंट के संदेश व निष्कर्ष को अमेरिका के जाने-माने उद्योगपतियों व इकॉनमिस्टों ने ट्रम्प को सीधे लगातार फोन कर दोहराया और अन्त में ट्रम्प को अपने टैरिफ लगाने के प्लान को 90 दिन स्थगित करने का निर्णय लेना पड़ा।

ट्रंप ने जोर-शोर से दावा किया था कि उनकी ट्रेड वॉर नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। वे इस नीति को अवश्य ही लागू करेंगे। उन्होंने यह भी डींग मारी थी कि 75 से अधिक देशों ने उनसे विनती की है कि वे कोई समझौता करें और उनके बढ़े हुए टैरिफ से राहत दें।

उन्होंने हमेशा की तरह टैरिफ उपायों को लेकर शेखी बघारी। लेकिन, उनके आंतरिक सर्कल में सभी देशों पर एक साथ इतने कठोर उपाय लागू करने का आत्मविश्वास और भावना अब धीमी होती जा रही थी और अधिक व्यावहारिक सोच सामने आ रही थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी ट्रेज़री सचिव स्कॉट बेसेंट, ट्रंप के निजी निवास पर पहुँचे, ताकि बाज़ार की स्थिति को लेकर उन्हें आगाह कर सकें। उन्होंने ज़ोर दिया कि अमेरिकी ट्रेज़री मार्केट में भारी गिरावट आई है और यही वह धुरी है, जिस पर संघीय सरकार की वित्तीय स्थिति घूमती है।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (सीएनएन) ने रिपोर्ट किया कि बुधवार को अमेरिकी संघीय सरकार के बॉन्ड ऑफर को वह प्रतिक्रिया नहीं मिली, जो सामान्यत: मिलती है।

टैरिफ से उत्पन्न उथल-पुथल के बाद, अमेरिका का सरकारी ऋण खरीदने वाले बड़े निवशकों में अब उतना उत्साह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने रणथम्भौर में टाइगर देखे

सवाई माधोपुर, 10 अप्रैल (निस)। लोकसभा विपक्ष के नेता व कांग्रेस नेता राहुल गांधी निजी यात्रा पर रणथम्भौर आए हुए हैं। उन्होंने आज सुबह और शाम की पारी में रणथम्भौर नेशनल पार्क में टाइगर सफारी कर बाघों की अठखेलियां देखीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से बुधवार को सीधे अहमदाबाद से फ्लाइट से जयपुर पहुंचे। जयपुर से सड़क मार्ग से देर रात करीब 10 बजे सवाई माधोपुर के रणथम्भौर पहुंचे। राहुल यहां रणथम्भौर के शेर बाग़ होटल में ठहरे हुए हैं।

राहुल गांधी ने पांच सितारा होटल

- राहुल ने सुबह और शाम दोनों पारी में जंगल का भ्रमण किया।

शेरबाग़ में रात्रि विश्राम किया। गुरुवार सुबह और शाम की पारी में उन्होंने रणथम्भौर नेशनल पार्क का भ्रमण कर बाघों की अठखेलिया देखीं। इस दौरान राहुल गांधी ने बाघिन टी 84 एरोहेड व उसके शावकों की अठखेलियों को अपने कैमरे में भी कैद किया।

राहुल ने रणथंभौर के जोन नंबर दो में फिमेल टाइगर के दीदार किए। बाघिन व शावकों की अठखेलियां देख कर राहुल गांधी खुश हो गए। उल्लेखनीय है कि गांधी परिवार का रणथम्भौर से गहरा लगाव है। राहुल गांधी की बहन और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी अक्सर रणथम्भौर आती रहती हैं।

अन्ततोगत्वा भारत को मिल ही गया तहव्वुर राणा

26/11 के मास्टर माइंड तहव्वुर को एन.आई.ए. ने पालम एयरपोर्ट से हिरासत में लिया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। तहव्वुर राणा, 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड, को अमेरिका से भारत ला रहा विशेष विमान आज शाम दिल्ली में पालम एयरपोर्ट पर उतरा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तहव्वुर हुसैन राणा को गुरूवार को यहां पहुंचने पर हिरासत में लिया और सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया। अब उसे न्यायालय में पेश किया जायेगा। कई वर्षों की लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद यह दिन आया है।

तहव्वुर राणा की पहली तस्वीर भी सामने आ गई है। एनआईए ने उसकी तस्वीर जारी की है। वो बैक साइड से नज़र आ रहा है, उसका चेहरा नहीं दिख रहा है। उसके बाल पूरी तरह सफेद हो चुके हैं। राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। जेल प्रशासन ने इसके लिए जरूरी इंतज़ाम कर लिए हैं। हालांकि, उसे कब और किस वार्ड में रखा जाएगा, इसका अंतिम फैसला कोर्ट के आदेश के बाद ही लिया जाएगा। एनआईए ने आज शाम को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि उसने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार राणा के प्रत्यर्पण में सफलता हासिल कर ली है।

भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत शुरू की गई कार्यवाही के चलते राणा को अमेरिका में न्यायिक हिरासत में रखा

- तहव्वुर को भारत ला रहा विमान गुरुवार शाम नई दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा था।
- तहव्वुर को तिहाड़ जेल के हाई सिक्युरिटी सैल में रखा जाएगा। इसके लिए जरूरी तैयारी कर ली गई है।

गया था। राणा ने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए सभी कानूनी रास्ते आजमाए, पर उसे सफलता नहीं मिली, आखिरकार उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी हो गयी।

वक्तव्य में कहा गया है कि कैलिफोर्निया के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 16 मई 2023 को उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। इसके बाद राणा ने नौवीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील में कई मुकदमे दायर किए, जिनमें से सभी को खारिज कर दिया गया। इसके बाद उसने एक रिट , दो बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक आपातकालीन आवेदन भी दायर किया, लेकिन उसे भी खारिज कर दिया गया। भारत द्वारा अंतत: अमेरिकी सरकार से वांछित आतंकवादी के लिए आत्मसमर्पण वारंट प्राप्त करने के बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण कार्यवाही शुरू की गई।

एनआईए ने स्काई मार्शल, यूएसडीओजे की सक्रिय सहायता से प्रत्यर्पण प्रक्रिया पूरी की, इस दौरान, अन्य भारतीय खुफिया एजेंसियों, एनएसजी का भी सहयोग लिया, जिसमें भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने मामले को अंजाम तक ले जाने के लिए अमेरिका में अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ तालमेल किया।

राणा पर आरोप है कि उसने डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाउद गिलानी और नामित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हरकत-उल-जिहादी इस्लामी (एचयूजेआई) के गुर्गों के साथ-साथ, पाकिस्तान स्थित अन्य षड्यंत्रकारियों के साथ मिलकर 2008 में मुंबई में हुए विनाशकारी आतंकवादी हमलों की साजिश रची थी। इन हमलों में कुल 166 लोग मारे गए और 238 से अधिक घायल हुए।

भारत सरकार द्वारा गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत, लश्कर ए तैयबा और एचयूजेआई दोनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

गृह मंत्री चेन्नई पहुँचे

उनकी यात्रा का मुख्य मकसद तमिलनाडु के नये प्रदेशाध्यक्ष का चयन है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। तमिलनाडु भाजपा के वर्तमान अध्यक्ष अन्नामलाई द्वारा पद छोड़ने की इच्छा व्यक्त करने के बाद, राज्य में इस पद के लिए दौड़ तेज हो गई है। अब भाजपा की तमिलनाडु इकाई के इस सर्वोच्च पद पर कोई नया व्यक्ति ही आयेगा।

गुरुवार को भाजपा की राज्य एवं चेन्नई इकाइयाँ सक्रिय घटनाक्रम की साक्षी रहीं। दरअसल, केन्द्रीय गृहमंत्री तथा पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह राज्य के दौरे पर यहाँ आये थे। उन्होंने राज्य की राजनैतिक स्थिति का आकलन करन के लिये दिन पर राज्य के विभिन्न पार्टी नेताओं के साथ कई मीटिंग कीं। उन्होंने पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल सभी उम्मीदवारों से मुलाकात की।

पार्टी के इस अन्दरुनी मामले के अलावा, ऐसी आशा की जा रही है कि अमित शाह अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन करने के सिलसिले में भी बात करेंगे। ज्ञातव्य है कि अन्नाद्रमुक लोकसभा चुनावों से ठीक पहले गठबंधन से अलग हो गई थी, क्योंकि अन्नामलाई ने जयललिता सहित, अन्नाद्रमुक के शीर्षस्थ नेताओं पर निशाना साधते हुये, पार्टी की तीखी आलोचना की थी।

यद्यपि अन्नाद्रमुक ने फिर से गठजोड़ करने की इच्छा के संकेत दिये हैं, लेकिन समझा जाता है कि गठबंधन के लिये उसकी पूर्व शर्तों में से एक शर्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमित शाह ने दिन भर प्रदेश के भाजपा नेताओं से विचार-विमर्श किया, जिसका लक्ष्य राजनीतिक रणनीति तय करना था, अगले वर्ष तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिये।
- इसी क्रम में अमित शाह, अन्नाद्रमुक से चुनावी गठबंधन की योजना को संभवतः स्वीकृति भी देंगे।
- जैसा कि विदित ही है, तमिलनाडु में भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन टूट गया था, प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई द्वारा लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहने से। अन्नामलाई ने स्वर्गीय जयललिता को भी नहीं बख्शा था।
- दोबारा गठबंधन करने के लिए अन्नाद्रमुक की शर्त थी कि अन्नामलाई की जगह किसी नये व्यक्ति को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनाये।

'बाल आयोग अध्यक्ष का कार्यभार आईएएस को क्यों सौंपा'

जयपुर, 10 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य बाल आयोग के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार आईएएस अधिकारी को सौंपने पर मुख्य सचिव, संयुक्त बाल अधिकारिता सचिव, महिला एवं बाल विकास सचिव और आईएएस कुलदीप रांका को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने

- हाई कोर्ट ने आयोग की सदस्य संगीता गर्ग की याचिका पर नोटिस जारी किये।

यह आदेश आयोग की सदस्य संगीता गर्ग की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सत्यपाल चंदोलिया ने बताया कि संगीता बेनीवाल द्वारा इस्तीफा देने के कारण आयोग अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। राज्य सरकार ने गत 5 फरवरी को आदेश जारी कर इस पद का अतिरिक्त कार्यभार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी कुलदीप रांका को सौंप दिया। याचिका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या टैरिफ वॉर के कारण भारत को मजबूरन द्वितीय पीढ़ी के आर्थिक रिफॉर्म लागू करने पड़ेंगे?

टैरिफ वॉर के कारण अमेरिका का मार्केट शायद भारत के उद्योगपतियों की पहुँच से बाहर हो जायेगा तथा भारत को विश्व में अन्यत्र मार्केट विकसित करने होंगे

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। माना जा रहा है कि अमेरिका की नई टैरिफ नीति, विशेष रुप से रैसिप्रोकल टैरिफ की 5 अप्रेल की घोषणा से भारत में सैकण्ड -जनरेशन रिफॉर्म्स (सुधारों) की शुरुआत हो सकती है। सुधारों की पहली बड़ी लहर तीन दशक पहले 1991 में आई थी। टैरिफ और ट्रेड पॉलिसीज़ से अक्सर राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक रणनीतियों में बदलाव आता है, और भारत के सामने, इस तरह के ग्लोबल परिवर्तन की प्रतिक्रिया में सुधारों को तेजी से बढ़ाने का अनोखा मौका है।

चूँकि, अमेरिकी टैरिफ का उद्देश्य घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है, इसलिए भारत अपने घरेलू बाज़ार पर अधिक फोकस करने और अपने उद्योगों को मजबूत करने के लिए प्रेरित हो सकता है। इस परिदृश्य में भारत की सरकार, व्यापार करने की सुविधा को बढ़ाने,

- इस नए मार्केट में सफल होने के लिए भारत को सैकण्ड जनरेशन रिफॉर्म्स लागू करने पड़ेंगे, जैसे, लेबर लॉज़ में लचीलापन, कृषि उत्पाद की श्रंखला को मजबूत करना और ''ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नैस'' को और मजबूत करना। जब तक यह नहीं करेंगे, भारतीय माल अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में जम नहीं पाएगा।
- ये रिफॉर्म्स शायद कालांतर में धीरे-धीरे भारत में आते, पर, टैरिफ वॉर से उत्पन्न स्थिति ने शायद भारत सरकार से धीरे-धीरे ''सैकण्ड जनरेशन रिफॉर्म्स'' लागू करने का विकल्प छीन लिया है, अब, तुरंत ही ये परिवर्तन करने होंगे।
- जैसा कि विदित ही है, ''फर्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स'' 1991 में, लगभग तीन दशक पहले लागू हुए थे।

इन्फ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ करने और व्यवसायों के लिए रैगुलेटरी बोझ को कम करने की दृष्टि से सैकण्ड जनरेशन (दूसरी पीढ़ी के) सुधारों को आगे बढ़ा सकती है। ये प्रयास भारतीय कंपनियों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगे और विदेशी बाज़ारों पर निर्भरता को कम करेंगे। अमेरिका में प्रोटैक्शनिस्ट पॉलिसीज़ (संरक्षणवादी नीतियों) के बढ़ने से भारत अपने पारंपरिक पार्टनरों के अलावा और अन्य लोगों से ट्रेड पार्टनशिप कर सकता है। यदि अमेरिकी बाज़ारों पर निर्भरता अधिक महंगी हो जाती है तो भारत, एशिया, यूरोप और अफ्रीका के देशों के साथ ट्रेड एग्रीमैंट्स तेजी से आगे बढ़ा सकता है। यह बदलाव भारत को अधिक व्यापार -अनुकूल सुधार लागू करने के लिए प्रेरित कर सकता है। जैसे, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना और व्यापार में गैर -शुल्क बाधाओं को कम करना।

बदलते ग्लोबल ट्रेड परिदृश्य के जवाब में भारत, इलैक्ट्रॉनिक्स, इस्पात और दवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को भी तेज कर सकता है।

इतना ही नहीं, भारत सरकार श्रम कानूनों, भूमि अधिग्रहण और टैक्सेशन में गहन सुधारों को आगे बढ़ा सकती है, ताकि भारतीय निर्माण क्षेत्र को अधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने बांग्लादेश के ट्रक रोके

ढाका/नयी दिल्ली, 10 अप्रैल। भारत ने पश्चिम बंगाल सीमा से सटे बेनापोल लैंड पोर्ट चेक पोस्ट के रास्ते माल के साथ आ रहे बंगलादेश के चार ट्रकों को वापस भेज दिया है। यह कार्रवाई बंगलादेश को दूसरे देश में माल भेजने के लिए दी गयी ट्रांसशिपमेंट सुविधा रद्द किये जाने के एक दिन बाद

- ट्रांज़िट सुविधा वापस लेने का आदेश जारी होने के आगले दिन यह कार्यवाही की गई।

की गयी है। बंगलादेश के टीवी समाचार चैनल बीडी न्यूज 24 की रिपोर्ट के अनुसार, बंगलादेश के जेसोर जिले में बेनापोल पोर्ट के उप निदेशक रशीदुल साजिब नजीर ने कहा कि भारत सरकार द्वारा मंगलवार को ट्रांसशिपमेंट सुविधा को रद्द करने के कारण पेट्रापोल कस्टम्स (भारतीय पक्ष) ने तीसरे देश के माल को अपने सीमा से ले जाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया।

'मोदी सरकार बेवजह झूठी वाहवाही ले रही है तहव्वुर राणा को भारत लाने के लिये'

कांग्रेस नेता व पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम् ने दावा किया कि राणा को भारत लाने में मोदी सरकार की कोई भूमिका नहीं है, इस सफल ऑपरेशन का श्रेय, यूपीए सरकार द्वारा चुपचाप कूटनीतिक प्रयास जारी रखने को देना चाहिये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। कांग्रेस ने 26/11 के आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने की मोदी सरकार की कोशिशों की आलोचना की और कहा कि राणा को भारत लाने में एक लम्बी प्रक्रिया निहित है।

पूर्व केन्द्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम् ने कहा, 10 अप्रैल 2025 को राणा का भारत में प्रत्यर्पण हो गया है। पर इसके पीछे की पूरी कहानी लोगों को बताई जानी चाहिए।

एक लिखित बयान में चिदंबरम् ने कहा, हालांकि मोदी सरकार राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। पर, सच इससे भी कहीं बड़ा है। यह प्रत्यर्पण तकरीबन 15 साल के अथक कूटनीतिक, कानूनी व गुप्तचर प्रयासों का परिणाम है, जिसकी शुरुआत यू.पी.ए. सरकार ने की थी।

- चिदंबरम् ने कहा, क्योंकि मोदी सरकार राणा को भारत लाने के लिये बार-बार अपनी पीठ ठोक रही है, इस ऑपरेशन की सच्ची कहानी सार्वजनिक करना आवश्यक है।
- चिदंबरम् ने पूरी ''कहानी' सुनाते हुए बताया कि, तत्कालीन विदेश मंत्री, सलमान खुर्शीद, विदेश सचिव रंजन मथाई ने हैडली व राणा को भारत भेजने के लिए अमेरिका की विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन व अण्डर सैक्रेटरी वेण्डी शरमन से लगातार संपर्क व दबाव रखा था। जिसके कारण हैडली को 35 साल की सजा व राणा को भी अमेरिका में कैद रखने के आदेश निकले थे।
- इसके बाद भी कई अड़चनें आईं, पर, अमेरिका में भारत की राजदूत निरुपमा राव की भूमिका बहुत सराहनीय रही।
- अतः चिदंबरम् द्वारा प्रस्तुत कहानी के अनुसार, राणा को भारत लाने के श्रेय की असली हकदार यूपीए सरकार की कूटनीति है, न कि मोदी सरकार के प्रयास।

पूर्व गृह मंत्रीने कहा, प्रक्रिया की शुरुआत 11 नवम्बर 2009 को हुई थी, जब एन.आई.ए. ने दिल्ली में डेविड कोलमॅन हैडली (अमेरिकन नागरिक) और तहव्वुर राणा (मैनडियन नागरिक) व अन्य, जो 26/11 के षडयंत्र में शामिल थे, के खिलाफ केस दर्ज किया था।

उसी माह कैनडा के विदेश मंत्री ने भारतीय एजेंसियों के साथ सहयोग की पुष्टि की, जिसका श्रेय यूपीए सरकार की प्रभावशाली विदेश नीति को जाता है। चिदंबरम् ने बताया, एफ.बी.आई. ने 2 जून 2009 में तहव्वुर राणा को कोपनहैगेन में तैयबा की एक साजिश में सहयोग के आरोप में गिरफ्तार किया था। हालांकि राणा को कोर्ट ने जून 2011 में 26/11 में प्रत्यक्ष लिप्तता से बरी कर दिया था, पर अन्य आतंकी कृत्यों के लिए उसे आरोपी ठहराया गया और 14 साल की जेल हुई। यूपीए सरकार ने 26/11 की साजिश के आरोपों से उसे बरी किए जाने पर सार्वजनिक रूप से निराशा व्यक्त की और कूटनीतिक दबाव बनाए रखा।

चिदंबरम् ने कहा, कानूनी झटके के बाद भी, यूपीए सरकार ने कूटनीति के कानूनी तंत्र के जरिए दबाव बनाए रखा। एक एलएटी के तहत परस्पर कानूनी सहयोग के फ्रेम वर्क के आधार पर एन.आई.ए. की तीन सदस्यीय टीम ने वर्ष 2011के अंत में तहव्वुर राणा से पूछताछ की थी। अमेरिका की सरकार ने भारत को महत्वपूर्ण सबूत दिए, जो दिसम्बर 2011 में प्रस्तुत एन.आई.ए. की चार्जशीट का अंग बन गए। यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लाल किले और जामा मस्जिद पर बम की धमकी

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पुलिस विभाग और सुरक्षा एजेंसियों के बीच हड़कंप मच गया। दरअसल, दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक लाल किले और जामा मस्जिद को निशाना बनाकर बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। इसके बाद

- पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया, जिसमें कुछ नहीं मिला। धमकी फर्जी साबित हुई।

सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत ही मौके पर पहुंच कर गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच में कुछ भी नहीं मिला और ये धमकी फर्जी साबित हुई है। दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने गुरुवार को इस पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा- ''हमने घटनास्थल पर दमकल का एक वाहन भेजा और वहां गहन तलाशी ली।

विचार बिन्दु

"जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।" - अरविन्द कटोच

क्या गैर कानूनी सामग्री को अभिव्यक्ति की आजादी के मौलिक अधिकार जैसा संवैधानिक संरक्षण है?

संविधान का विद्यार्थी यह भली भंति जानता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार भारत के प्रत्येक नागरिक को भारत के संविधान ने दिया है। कुछ ज्ञान प्राप्त करने के बाद उसकी समझ में यह भी आ जाता है कि अभिव्यक्ति का यह अधिकार निरंकुश नहीं हो सकता। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारन्टी दी जाने की व्यवस्था है। भारत के प्रथम प्राइम मिनिस्टर नेहरू निर्बाध अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरूद्ध थे। अत: संविधान का पहला संशोधन लाया गया, जिसके माध्यम से उचित प्रतिबंध जोड़कर, अभिव्यक्ति की निर्बाध स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया जो सार्वजनिक व्यवस्था के हेतु उचित माने गये तथा जो अपराध को भडकाने के बाबत हो। प्रथम संशोधन में मानहानि पर प्रतिबंध नहीं था, जब तक कथन से सार्वजनिक अव्यवस्था को खतरा न हो, अपराध को भडकाने की वजह न हो। किसी की मानहानि का अर्थ है उस व्यक्ति के यश को आघात पहुंचाना। व्यक्ति के लिये यश, सम्मान प्रोपर्टी का एक रूप है। व्यक्ति की प्रतिष्ठा उसकी सम्पत्ति के अधिकार जैसा है।

जिस शब्दावली के आधार पर वादी ने मानहानि का दावा किया है अथवा फौजदारी शिकायत याचिका दायर की है उसके हेतु उसे साबित करना होगा कि कथन झूठा है। मानहानि के दावे में कथन झूठा नहीं है, साबित करने का भार अभियुक्त पर है। यहां यह स्पष्ट करना भी आवश्यक है कि अपराध कारक शब्दों की सत्यता हर्जे के दावे के लिये अच्छा बचाव है, किन्तु आपराधिक कृत्य के हेतु नहीं है। व्यक्ति को साबित करना होगा कि कथन सत्य है, केवल अफवाह के आधार पर नहीं है, किन्तु यह कहना जरूरी है कि वह सार्वजनिक हित में है। यदि हम संविधान में कही गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात करें तो यह सही है कि यह स्वतंत्रता अक्षुण्ण नहीं है वह सार्वजनिक आर्डर, नीति के आधार, देश की अखण्ड़ता व स्वास्थ्य के नियमों के विरूद्ध नहीं हो। लोकहित के चरित्र हनन क्षम्य नहीं हो सकता। राजनेताओं पर मानहानि के केसेज बहुत होते हैं, किन्तु उनमें गम्भीरता नहीं है। जग दिखावा अधिक है। जेटली व केजरीवाल के केस अपनी अपनी परिस्थितियों के घेरे में सही हो सकते हैं। सार्वजनिक सभाओं, कार्यक्रमों में तथा चुनावी सभाओं में भाषणों के समय देखते हैं कि कैसी कैसी भद्दी गालियां बकी जाती हैं, इससे समाज के साधारण व्यक्ति पर असर पड़ता है, पीड़ा होती है कि हमारे स्तर में कितनी गिरावट आ गई है। क्या हम ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व में रहना चाहते हैं? सार्वजनिक हित, राष्ट्र की सुरक्षा आदि में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हम कुछ अंकुश लगाना अवश्य ही चाहेंगे। समाज को सुधारना भी आवश्यक है। समाज भी सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। रेप में फांसी की सजा के उपरान्त भी रेप नहीं रूक रहे हैं। अत: सुधारने के नाम पर भी हम नये नये तरीके तलाश करने होंगे। लोक हित में चरित्र हनन क्षम्य नहीं हो सकता। व्यक्ति की गरिमा की रक्षा करना राज्य का धर्म है।

यहां यह स्पष्ट करना भी आवश्यक है कि अपराध कारक शब्दों की सत्यता हर्जे के दावे के लिये अच्छा बचाव है, किन्तु आपराधिक कृत्य के हेतु नहीं है। व्यक्ति को साबित करना होगा कि कथन सत्य है, केवल अफवाह के आधार पर नहीं है, किन्तु यह कहना जरूरी है कि वह सार्वजनिक हित में है। यदि हम संविधान में कही गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात करें तो यह सही है कि यह स्वतंत्रता अक्षुण्ण नहीं है वह सार्वजनिक आर्डर, नीति के आधार, देश की अखण्ड़ता व स्वास्थ्य के नियमों के विरूद्ध नहीं हो। लोकहित के चरित्र हनन क्षम्य नहीं हो सकता।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1) में दिया है और अनुच्छेद 19(2) से (6) में उसे प्रतिबंधित किया है। अनुच्छेद 19(2) में राज्य को भारत की संप्रभुता तथा अखण्ड़ता, राज्य की सुरक्षा, विदेशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार व सदाचार के हितों में या न्यायालय की अवमानना, मानहानि या अपराध उद्दीपन के संबंध में उचित कानून बनाकर इस अधिकार के प्रयोग पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाने का अधिकार है।

भारतीय दण्ड़ संहिता की धारा 499 में मौखिक अभिव्यक्ति व लेख द्वारा अभिव्यक्ति में अन्तर नहीं है। यह फौजदारी कानून है। सिविल कानून के रूप में कोई कानून नहीं है। एक कानून है जो प्रेस पर लागू होता है। इसे प्रिवेन्शन ऑफ पब्लिकेशन ऑफ ऑब्जेकशनेवल मेटर एक्ट, 1976 के नाम से जाना जाता है।

लेखक ने अपने एक लेख में, जिसका शीर्षक "क्या धारा 500 की मानहानि पर सजा अभिव्यक्ति के अधिकार का हनन करती है" में लिखा था, "धारा 500 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध का प्रावधान भारत गणतंत्र में संविधान के अनुच्छेद 19(क) के संदर्भ में मत अभिव्यक्त किया था वह संवैधानिक नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जब तक खण्ड़ (2) की भावना का अतिरेक नहीं करती तो उसे आपराधिक कृत्य मानना सर्वथा गलत है। आलोचना कितनी ही तीखी भी हो तो भी दण्ड़नीय नहीं हो सकती। मानहानि का अपराध तभी माना जावेगा जब शब्दावली ने स्थिति को भड़कीला बनाया हो। सर्वोच्च न्यायालय ने आरटीआई एक्ट की धारा 66(क) में जिसमें फेसबुक, ट्वीटर जैसे सोशल मिडिया पर कम्प्यूटर या मोबाईल फोन से आक्रामक व आपत्तिजनक झूठा या मानहानिकारक संदेश भेजना अपराध माना है, किन्तु सर्वोच्च न्यायालय ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अतिक्रमण माना है और अवैध करार दिया है। इससे स्पष्ट संकेत है कि धारा 500 भारतीय दण्ड संहिता का मानहानि का अपराध असंवैधानिक है। इसे चुनौती दी जा सकती है।

नये कानून भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 356 में Defamation के अपराध के बाबत कहा गया है। परिभाषा के अनुसार उसमें 10 Explanation हैं उन्हें समझना आवश्यक है। पूर्व कानून में Defamation की परिभाषा धारा 499 में थी। 4 Explanation हैं और अपवाद हैं।

मिन्हाज मर्चेन्ट ने अपने एक लेख में जो दिनांक 03.04.2025 के अखबार दैनिक भास्कर में प्रकाशित हुआ, लिखा है कि "बोलने की स्वतंत्रता तो है, लेकिन किस सीमा तक?" में कुणाल कामरा ने एकनाथ सिंदे का नाम लिये बिना कहा है, कि उनके कथन को अनदेखी कर देना चाहिये। क्योंकि हमला जब तक स्पष्ट रूप से भडकाने वाला न हो उसे चर्चा का विषय नहीं बनाना चाहिये। कुणाल कामरा एक कॉमेडियन है उनका काम ही लोगों की मजाक उडाना है। मिन्हाज मर्चेन्ट का मानना है कि तथाकथित कथन किसी कानून का उल्लंघन नहीं करता।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सम्बन्ध में हमें संविधान के अनुच्छेद 105 की ओर भी ध्यान देना होगा। अनुच्छेद 105 संसद के सदनों, उनके सदस्यों तथा उनकी समितियों के अधिकारों, विशेषाधिकार आदि के बारे में उपबन्ध करता है। सांसदों को सदन में बोलने की आजादी है, उन्हें न्यायिक कार्यवाही से उन्मुक्ति है। सांसद के विरूद्ध न्यायिक कार्यवाही उनके विशेषाधिकार का उल्लंघन है। सर्चलाइट के मामले में सदस्यों को बोलने की पूर्ण स्वतंत्रता है। जहां साधारण नागरिकों के वाक् स्वातंत्रय पर अनुच्छेद 19(2) के अधीन बनाई गई विधि द्वारा अंकुश लगाया जा सकता है किन्तु सांसदों को न्यायालय की कार्यवाही से उन्मुक्ति है।

अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की सोशल मीडिया साइट एक्स की ओर से भारत में सेंसरशिप के आरोपों के साथ दायर शिकायत पर केन्द्र सरकार ने हाईकोर्ट की कार्यवाही में यह जबाव दिया है कि गैर कानूनी सामग्री को अभिव्यक्ति की आजादी के मूल मौलिक अधिकार के बराबर संवैधानिक प्रोटेक्शन (संरक्षण) नहीं दिया जा सकता। डिजिटल अधिकारों और सुरक्षा को बनाये रखने के लिये यह समय पर हस्तक्षेप करना निर्वाचित सरकार के हेतु आवश्यक है।

समय बदल रहा है, साइबर स्पेस में डिजिटल बदलाव के साथ साइबर संकट तेजी से बढ़ रहे हैं। हानिकारक जानकारी, नागरिकों पर विपरीत प्रभाव डाल रही है, इन्हें रोकना जरूरी है। सभी उपभोगकर्ताओं के डिजिटल अधिकारों की रक्षा आवश्यक है।

कई प्रकार के विवाद न्यायालयों में बढ़ेंगे। इन सब स्थितियों पर गम्भीरता से विचार करना है और ध्यान रखना है कि "गैर कानूनी सामग्री को अभिव्यक्ति की आजादी का संरक्षण नहीं है।" सुप्रीम कोर्ट में मामला लम्बित है जहां इस विषय में अन्तिम निर्णय होगा। पाठकों के समक्ष एक दृष्टिकोण रखा गया है। आशा है कानून नये रूप में नया सवेरा लेकर आयेगा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हमारा मौलिक अधिकार अक्षुण्ण रहेगा।

सबको सन्मति दे भगवान!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश,
राजस्थान हाईकोर्ट

महिलाओं की शिक्षा के प्रेरणा पुंज "ज्योतिबा फुले"

प्रो. मनोज कुमार बहरवाल

विद्या बिना मति गयी, मति बिना नीति गयी
नीति बिना गति गयी, गति बिना वित्त गया
वित्त बिना शूद्र गये, इतने अनर्थ एक अविद्या ने किये!

ज्योतिबा फुले का यह ध्येय वाक्य मानव जाति के सांगोपांग विकास का मन्त्र है। व्यक्ति हो अथवा समाज या राष्ट्र अथवा विश्व सभी के सर्वांगीण विकास में ज्योतिबा फुले के यह विचार आज भी प्रासंगिक हैं। 11 अप्रेल 1827 को पुणे में एक व्यक्ति का जन्म हुआ जिसे महात्मा ज्योतिबा कहा गया। फुले नाम इस कारण पड़ा कि उनका परिवार फूल माली का काम करता था। वे सतारा से पूना आकर बसे थे। बाल्यकाल में ही आपकी माता जी का निधन हो गया। आपका पालन-पोषण एक बाई ने किया। आपने प्रारम्भिक शिक्षा मराठी माध्यम से की। कुछ विकट परिस्थितियों के कारण अध्ययन बीच में ही छोड़ना पड़ा। शिक्षा की लगन और महत्व के कारण 21 वर्ष की आयु में ज्योतिबा ने कुछ समय पहले तक मराठी में अध्ययन किया, बीच में पढाई छूट गई और बाद में 21 वर्ष की आयु में अंग्रेजी माध्यम से 7 कक्षा की पढाई पूरी की। इनका विवाह 1840 में सावित्री बाई से हुआ, जो बाद में स्व्यं एक प्रसिद्ध समाजसेवी बनीं। दलित और स्त्री शिक्षा के क्षेत्र फुले दम्पति ने बहुत काम किया और कर्मठता से समाज की सेवा की।

विधवा महिलाओं का कल्याण :- महात्मा जी ने मिलकर विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए अथक कार्य किया। इसके साथ ही किसानों की दयनीय दशा सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी अथक प्रयास किये।

महिला शिक्षा :- स्त्रियों की शैक्षिणक दशा सुधारने और महिला शिक्षा उन्नयन के लिए फुले ने 1848 में एक पाठशाला का शुभारम्भ किया। यह भारत की प्रथम बालिका पाठशाला थी। तत्कालीन समाज इतना जड़ बुद्धि था कि इन लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए। तत्कालीन पुरातनपंथी समाज के लोगों ने उनके पिता पर दबाब डालकर पति-पत्नी को घर से निष्काषित करवा दिया। मन के हारे हार है , मन के जीते जीत ! इस वाक्य का प्रतिबिम्ब रहे महात्मा फुले। थोड़े समय के लिए बालिका शिक्षा का कार्य अवरुद्ध रहा। परन्तु फुले ने हिम्मत नहीं हारी अपने अथक प्रयासों से उन्होंने शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल ओर प्रारम्भ किये।

भारतीय सन्त परम्परा के पक्षधर :- भारत के सभी संतों की व्यक्तित्व और कृतित्व का गहन अध्ययन ज्योति बा ने किया और उन सभी ज्ञानात्मक पक्ष को सभी के सामने प्रस्तुत किया। संतों के दार्शनिक अध्ययन के बाद आपको यह तात्विक ज्ञान मिला कि जब ईश्वर के सामने सब नर-नारी समान हैं तो उनमें ऊँच-नीच का भेद क्यों होना चाहिए ?

निर्धन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने 1873 में सत्य शोधक समाज की स्थापना की। आपकी निर्धनों के प्रति और निर्बलों के प्रति समाज सेवा की सच्ची भावना को देखकर 1888 में मुम्बई में एक सभा में आपको महात्मा की उपाधि से सम्मानित किया गया।

पाखण्ड के विरोधी :- ज्योति बा ने पुरोहित पंथी का विरोध किया ब्राहमणवाद का विरोध किया और इनके बिना ही शादी ब्याह करवाए और उनके इस कार्य को मुम्बई उच्च न्यायालय ने मान्यता प्रदान की। आपने बड़ी ही बुलन्द आवाज से बाल विवाह का विरोध किया और विधवा विवाह का समर्थन भी किया। आपने अनेक पुस्तकों जैसे कि गुलामगिरी, तृतीय रत्न, छत्रपति शिवाजी, राजा भोसला का पखड़ा, किसान का कोड़ा, अछूतों की कैफियत आदि-आदि। आपने किसानों के हित में संघर्ष किया और आपके अथक प्रयासों के कारण ही तत्कालीन सरकार ने 'एग्रीकल्चर एक्ट' पारित किया। धर्म, समाज और आडम्बरों के सत्य को वे समाज के सामने लेकर आए। फुले के शैक्षिणक संघर्ष और उनकी महिलाओं के प्रति दूरगामी दृष्टि को देखकर तत्कालीन ब्रिटिश भारत सरकार ने 1883 में आपको 'स्त्री शिक्षण के आद्यजनक' समान सूचक शब्दों से उनका सम्मान किया और उनके गौरव में वृद्धि की।

वर्तमान में भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और शैक्षिणक क्षेत्रों में महिलाएं जो नेतृत्व कर रहीं हैं यह सभी की प्रेरणा के पुन्ज महात्मा ज्योति बा फुले ही हैं। आइए आज के इस पावन जन्म जयंति के अवसर पर हम सभी महात्मा फुले से प्रेरणा लेते हुए महिला / बालिका शिक्षा और उनके सर्वंगीण विकास और कल्याण के लिए पूरे मनोयोग से संकल्प लें और सदैव महिलाओं के विकास और कल्याण के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक प्रयास करें। यही है हमारी और हम सभी की भारतीय संस्कृति। यही हमारी और आपकी तथा हम सभी की पहचान और शक्ति बने यही भाव हम सभी में जाग्रत हो। आप सभी को महात्मा ज्योतिबा फुले की जन्म जयंति पर आप सभी को मंगलकामनाएं।

प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार बहरवाल
प्राचार्य, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर।

इंदिरा गांधी नहर में 20 अप्रैल के बाद कभी भी पूर्ण नहरबंदी

बीकानेर संभाग के चारों जिलों के साथ ही जैसलमेर, बाड़मेर, नागौर, जोधपुर को भी इंदिरा गांधी नहर से पानी नहीं मिलेगा

बीकानेर, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान के दर्जनभर जिलों की प्यास बुझाने वाली इंदिरा गांधी नहर में 20 अप्रैल के बाद कभी भी पूर्ण नहरबंदी हो सकती है। फरवरी महीने से नहर में सिर्फ पीने का पानी मिल रहा है, लेकिन अब ये पानी आना भी बंद हो जाएगा। इससे बीकानेर संभाग के चारों जिलों के साथ ही जैसलमेर, बाड़मेर, नागौर, जोधपुर को भी इंदिरा गांधी नहर से पानी नहीं मिलेगा। पूर्ण नहरबंदी से पहले जलदाय विभाग एक महीने तक जल आपूर्ति करने के लिए अपने जलाशय लबालब कर चुका है।

इंदिरा गांधी नहर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता (प्रशासन) विवेक गोयल ने बताया कि 6 फरवरी से नहर में सिर्फ पीने का पानी दिया जा रहा है। आंशिक नहर बंदी के चलते सभी जिलों में पीने का पानी दिया जा रहा है। सिंचाई के लिए फिलहाल पानी नहीं दिया जा रहा है। किसान सिंचाई के लिए पानी का संग्रहण भी नहीं कर सकते। पूर्ण नहरबंदी 20 अप्रैल के बाद कभी भी हो सकती है। ऐसे में 30 दिन तक नहर में पानी नहीं आएगा। वर्तमान में सभी जिलों को पानी का संग्रहण करने के निर्देश हैं। सभी जिलों में जलदाय विभाग ने आवश्यक पानी का संग्रहण कर लिया है। बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, फलौदी, सीकर, झुंझुनूं में नहरबंदी का असर दिखाई देगा। इन जिलों को पीने का पानी इंदिरा गांधी नहर से मिलता है। श्रीगंगानगर को अधिकांश पानी भाखड़ा नहर से मिलता है। ऐसे में श्रीगंगानगर में संकट कम होगा। शेष

■ पूर्ण नहरबंदी से पहले जलदाय विभाग एक महीने तक जल आपूर्ति करने के लिए अपने जलाशय लबालब कर चुका है

जिलों में एक महीने में जल संकट आएगा। गर्मी के दिनों में ही किसानों को सिंचाई के लिए पानी की जरूरत नहीं होती। इस समय अधिकांश फसलों में पानी की जरूरत नहीं है। ऐसे में नहर बंदी अप्रैल-मई के बीच ही होती है। इस बार भी इसी अवधि में होगी।

पोंगडेम से आने वाला पानी पंजाब होते हुए राजस्थान आता है। दोनों ही राज्य अप्रैल और मई में नहर की मरम्मत का काम करते हैं। पूरे साल में जहां भी टूट-फूट होती है, वहां इसी अवधि में मरम्मत होती है। इसके अलावा पानी में जमा सिल्ट को भी इसी दौरान बाहर निकाला जाता है। आमतौर पर सभी जिलों में नहरबंदी के दौरान प्रशासन प्रति व्यक्ति पानी में कटौती करता है। अगर एक महीने का पानी संग्रहित है तो उसे डेढ़ महीने तक वितरित करने के हिसाब से पानी की कटौती होती है। ये कटौती ही जल संकट और आम लोगों में आक्रोश का कारण बनती है। जलदाय विभाग ये सोचकर कम पानी देता है कि नहर बंदी की अवधि बढ़ गई तो जनता की प्यास बुझाने के लिए पानी की आवश्यकता होगी।

बीकानेर जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता खेमचंद सिंगारिया ने उपभोक्ताओं से पानी की बचत और जल संरक्षण में योगदान की अपील की है। पेयजल से संबंधित समस्या के निदान के लिए कंट्रोल रूम 24 घण्टे लगातार कार्य करेगा।

विभाग की ओर से अवैध जल संबंध हटाने का अभियान 22 मार्च से आरम्भ है। अभियान के अंतर्गत अब तक 439 अवैध जल संबंध विच्छेद किए हैं। अभियान के अंतर्गत सभी सहायक अभियंता अपने क्षेत्र में नियमित रूप से अवैध जल संबंधों को चिह्नित कर रहे हैं। विभागीय निर्देशों की अनुपालना में अवैध जल संबंध पाये जाने पर एफआईआर कर दी जाएगी, जिसमें विभागीय संपत्ति को नुकसान करना तथा जल चोरी की मात्रा के आंकलन अनुसार शास्ती आरोपित की जाएगी।

टोल को लेकर किसानों का प्रशासन से टकराव

नजदीकी गांवों को टोल फ्री करने की मांग, 28 सितंबर 2025 के बाद टोल नहीं चलने देने की चेतावनी दी

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के पदमपुर कस्बे में गुरुवार को पदमपुर-गंगानगर मार्ग पर स्थित 18 बीबी टोल नाका को लेकर स्थानीय किसानों और प्रशासन के बीच गतिरोध जारी है। नजदीकी गांवों को टोल मुक्त करने की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी अजीत गोदारा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में टोल एजेंसी, टोल संघर्ष समिति और पीडब्यूडी विभाग के उच्च अधिकारी मौजूद थे। टोल संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि 28 सितंबर 2025 को टोल वसूली की अवधि समाप्त होने के बाद टोल को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि टोल शुल्क नियमों के अनुरूप लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अवधि पूरी होने के बाद सड़क का व्यापक सुधार कर राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार बेहतर सुविधाओं के साथ एक नया टोल नाका स्थापित किया जा सकता है। किसान नेता सुखबीर सिंह फौजी, लखविंदर सिंह, रामकुमार और दिलबाग सिंह ने टोल एजेंसी और पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यप्रणाली पर आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि नियम-कायदों की अनदेखी की जा रही है। किसान नेताओं ने पदमपुर से जैतसर मार्ग की निर्माणाधीन सड़क और पदमपुर-गजसिंहपुर सड़क की खराब स्थिति का भी मुद्दा उठाया। एसडीएम अजीत कुमार गोदारा ने आश्वासन दिया है कि समस्या को गंभीरता से लेते हुएकलेक्टर को रिपोर्ट भेज दी गई है। बैठक में थाना प्रभारी सुरेंद्र राणा, तहसीलदार दर्शन देवी, अति. प्रशासनिक अधिकारी सुखदेव सिंह, किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अनूपगढ़ में पारा 40 डिग्री पार पहुंचा

चार दिन हीट वेव की चेतावनी

अनूपगढ, (निसं)। यहां गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों से दोपहर तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर रहा है। गर्मी के कारण मुख्य बाजार और गलियों में लोगों की आवाजाही कम हो गई है। स्थानीय मौसम विभाग ने अगले 3-4 दिनों में तापमान में और वृद्धि की चेतावनी दी है। विभाग ने हीट वेव को लेकर अलर्ट भी जारी किया है। मई-जून में इस क्षेत्र का तापमान 47-48 डिग्री तक पहुंच जाता है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मुरलीधर कुमावत के अनुसार, लगातार बढ़ती गर्मी और लू से हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, त्वचा का गर्म और सूखा होना हीट स्ट्रोक के लक्षण हैं।

ऐसी स्थिति में तुरंत छाया में जाकर शरीर को ठंडा करें और डॉक्टर से संपर्क करें। गर्मी से बचाव के लिए दोपहर 12 से 3 बजे तक बाहर न निकलें। हल्के सूती कपड़े पहनें और सिर को ढककर रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी और ओआरएस का सेवन करें। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। बाहर का बासी या अधिक तला-भुना भोजन न खाएं। अस्पताल में पहले से ही गर्मी से प्रभावित पेट दर्द और दस्त के मरीज आने शुरू हो गए हैं।

राशिफल शुक्रवार 11 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्रमास शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार विक्रम सम्वत 2082, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र दिन 3.10 तक, ध्रुव्र योग सायं 7.45 तक, गरकरण दिन 2.11 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा।

आज रवियोग दिन 3.10 तक है। भद्रा रात्रि 3.22 से आरम्भ होगी। आज महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती है। शिव दमनोत्सव चतुरदशी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7.45 तक, लाभ-अमृत 7.45 से 10.54 तक, शुभ 12.28 से 2.02 तक, चर 5.11 से सूर्यास्त तक

राहूकाल: - 10.30 से 12.00 तक सूर्योदय 6.11 सूर्यास्त 6.45

मेष

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह

आर्थिक-वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता-सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कन्या

व्यावसायिक सम्पर्क बनेगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा सम्भव है।

मकर

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर परिवार में धार्मिक सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं।

मिथुन

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधायें बडेगी। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों को भाग-दौड रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा सम्भव है।

वृश्चिक

आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच विचार हो सकता है।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन मौजमस्ती के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

शोभायात्रा की झांकियों में जियो और जीने दो, पौधारोपण सहित मानव हित के संदेश दर्शाए

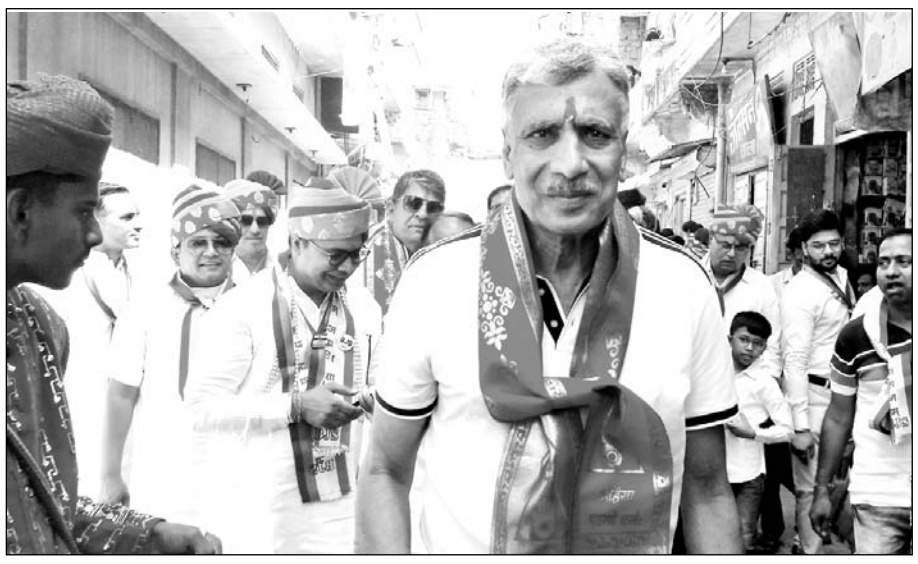

पाली में महावीर जयंती की शोभायात्रा में पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी सहित कई जनों ने भाग लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर में महावीर जयंती पर जैन समाज ने वरघोड़ा निकाला। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर , (कासं)। जालोर शहर में गुरुवार को महावीर जयंती को लेकर जैन समाज कि ओर से शोभायात्रा निकाली गई।

जैन समाज की मंजू सोलंकी भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ने बताया कि यह हमारे जैन धर्म के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर है इन्होंने सभी जीवो के प्रति अहिंसा का उपदेश दिया था महावीर जयंती के दिन भगवान महावीर के अनुयाई उनकी शिक्षाओं का स्मरण करते हैं। उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं, और श्रद्धा भाव से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। उनकी शिक्षा हमे सत्य, अहिंसा, और आत्म नियंत्रण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। इस दिन इनके अनुनाई दान भी करते हैं यह पर्व जैन समाज का सबसे प्रमुख पर्व है जो उनके जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जाता है। वरघोड़ा में जैन समाज के भाई व बहनें उपस्थित रहे।

सायला संवाददाता के अनुसार : सायला शहर में गुरुवार को जैन समाज सायला द्वारा महावीर जयंती के अवसर पर वरघाडे के आयोजन किया गया।

वरघाडे को लेकर जैन समाज के श्रावक श्राविकाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर आम चौहटे पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर पहुंचे। जहां पर वरघोडे के निमित चढावे बोले गए। इसके बाद ढोल ढमाकों के साथ वरघोडा रवाना हुआ। वरघोडे में सुज्जित रथ पर भगवान महावीर की तस्वीर विराजमान थी। वहीं ढोल थाली की धुन पर श्रावक श्राविकाएं भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए झूमते हुए चल रहे थे। जबकि सुसज्जित घोडों पर लाभार्थी परिवार जिनशासन की पताका लहराते हुए चल रहे थे। वरघोडा जैन मन्दिर से रवाना होकर पोस्ट ऑफिस रोड, पुराना बस स्टैंड होते हुए सुपार्श्वनाथ जैन मन्दिर पहुंचा। मंदिर में दर्शन कर शीश नवाकर पूजा अर्चना की गई। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। इसके बाद प्रभावना का वितरण किया। इस दौरान कुईयालाल कबदी, मांगीलाल लुंकड़, चंपालाल जैन, संघवी मांगीलाल फोलामुथा, महेंद्र चौपडा, गौतम कबदी, नागेश जैन, वस्तुपाल जैन, रमेश कबदी, किरण जैन, महेन्द्र कुमार, अशोक कुमार, उत्तमचन्द जैन सहित समाजबन्धु मौजूद थे।

पाली संवाददाता के अनुसार : भगवान महावीर के 2654 वें जन्म कल्याण महोत्सव के अवसर पर जैन युवा संगठन के तत्वावधान में गुरुवार को सुबह 8 बजे बा गर मोहल्ला स्थित श्री संघ जैन सभा भवन से भगवान महावीर के जयकारों के साथ बैंड बाजा के साथ शोभायात्रा रवाना हुई। करीब 51 झांकियां, रथ, भजन मंडली, 6 बैंड बाजे दो नासिक बैंड, पंजाबी पाइप बैंड, घोड़े बग्गी आदि शामिल थे। भगवान महावीर के जीवन को चरितार्थ करती झांकियां, जियो और जीने दो का संदेश, जीवन रक्षा के लिए पौधे लगाना, महिलाओं में शिक्षा, शाकाहार, अहिंसा, सत्य को दर्शाती झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। स्केटिंग करते बच्चे, जिसमें जैन युवा संगठन, महिला मंडल के बैंड के साथ जेसीआई महिला विंग की वाहन रैली , एक कलर की साड़ियां पहने त्रिशला महिला मंडल, दिगंबर जैन महिला मंडल, गुरु पुष्कर महिला मंडल, थली परिषद के सदस्य भजन गाते हुए चल रहे थे।

शोभायात्रा बागरमोला से गोल निंबड़ा, गजानन मार्ग बादशाह का झंडा, सराफा बाजार, पटवा बाजार धान मंडी, पुरानी सब्जी मंडी, राणा प्रताप चौक, डागा सर्कल होते हुए अनुवर्त नगर पहुंच समाप्त हुई। जहां पर प्रसादी का आयोजन हुआ।

पूरे मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा, अग्रवाल माहेश्वरी समाज द्वारा आइसक्रीम, दिगंबर जैन समाज जूस, धान मंडी में विश्व हिंदू परिषद द्वारा ठंडा पानी की बोतल, पुराना बस स्टैंड फ्रेंड्स क्लब द्वारा मिल्क रोज पिलाकर स्वागत किया गया। सभी जैन समाज संगठनों ने जुलूस का स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी, नेमीचंद चोपड़ा, श्री संघ सभा के सदस्य भी शोभा यात्रा में शामिल थे। पूरी यात्रा में जैन युवा संगठन के अध्यक्ष कल्पेश लोढ़ा सहित टीम का सहयोग रहा।

सायला में पार्श्वनाथ जैन मंदिर से वरघोड़ा निकाला गया। फोटो-राष्ट्रदूत

सार-समाचार

हनुमान जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकलेगी

जैसलमेर, (नि.सं.)। शहर के गजटेड हनुमान मंदिर में 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर के प्रवेश द्वार को आकर्षक लाइटिंग से सजाया जाएगा तथा संपूर्ण मंदिर परिसर को सुंदर मालाओं से सजाया जाएगा। मदिर के प्रधान पुजारी किशनलाल शर्मा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर 12 अप्रैल को सुबह की आरती के पश्चात भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जन्मोत्सव के अवसर पर संपूर्ण दिवस मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। शाम 7 बजे महाआरती के आयोजन के पश्चात महाप्रसादी वितरण तथा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।फोटो :जैसलमेर के गजटेड हनुमान जी

प्रजापत समाज की बैठक आयोजित

पाली, (नि.सं.)। सूरजपोल स्थित श्री श्रीयादे माता मंदिर में प्रजापत समाज की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। मंदिर अध्यक्ष भंवरलाल चंदवाड़िया ने बताया कि कार्यकारिणी के सभी सदस्यों की आम सहमति से मुकेश हाटवा को प्रजापत समाज का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया व 2 व 3 मई को आने वाली मंदिर की वर्षगांठ के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष फतेहराज नगरिया, सचिव दिनेश वरादना, खीमाराम लूणिया, हरिराम चंदवाड़िया, बस्तीराम चंदवाड़िया, चम्पालाल कुण्डलवाल, बाबूलाल हाटवा, जसराज, गिरधारीलाल, सहित सभी कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

संत कंवरराम की जयंती मनाई

पाली, (नि.सं.)। भारतीय सिंधु सभा पाली के तत्वाधान में सिन्धी कोलोनी स्थित सिन्धु भवन में गुरुवार शाम 5 बजे सिन्धी भाषा दिवस व संत कंवरराम की 140 वी जयंती समारोह मनाया गया। भारतीय सिन्धु सभा पाली के जिलाध्यक्ष राधाकिशन शिवनानी ने बताया कि इस अवसर पर सिन्धी समाज सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश पार्श्वनी व उपसभापति ललित प्रितमानी की अध्यक्षता व लक्ष्मी सम्भवाणी के संयोजन में सिन्धी संस्कृति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। सिन्धु सभा शहर अध्यक्ष जितेंद्र रामचंदानी ने बताया कि इस अवसर पर सिन्धी भाषा डिप्लोमा व एडवांस डिप्लोमा उत्तीर्ण संभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर शिक्षा मित्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी हरीश आसनानी, नत्थू भाई गंगवानी,सुरेंद्र निहलानी, कोकिला बहन नारवानी, हरीश गुरनानी, सुशील मूलचंदानी सहित कई जने मौजूद रहे।

शीघ्र होगा लूप लाइन का कार्य

पोकरण, (कासं)। पोकरण से सीधी ट्रेन भैरवगुफा कैलाश टेकरी - रामदेवरा हुई लूपलाइन मंजूर होने से क्षेत्र के लोगो को लाभ मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वयं सोशल मीडिया के द्वारा लोगों को सौगात दी। अब सभी ट्रेनें जो रामदेवरा आती है अथवा पोकरण छोड़ जैसलमेर जाती है, वो पोकरण होकर ही जायेगी। इसके अतिरिक्त बीकानेर, जोधपुर की समस्त लम्बी दूरी की ट्रेनें भी पोकरण हो कर जैसलमेर पहुंचेगी। पोकरण शहर एवं आस-पास के सभी क्षेत्रवासियों को पैसेंजर यात्रियों को लाभ होगा। विष्णु अवतार बाबा रामदेव की कर्म भूमि व शक्ति व भक्ति स्थल परमाणु नगरी विश्व प्रसिद्ध शक्तिस्थल पावन तीर्थ स्थल पोखरण तक आने जाने वाले सभी श्रद्धालु, सुरक्षा सैनिकों व व्यापारियों को इसका फायदा मिलेगा। अब शीघ्र ही रेल लाइन बिछाने का कार्य शुरू होगा।

पाली सेवा मंडल में चिकित्सा शिविर कल

पाली, (नि.सं.)। नया गांव स्थित पाली सेवा मंडल अस्पताल में शनिवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। समिति के प्रमोद जेथलिया ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक शिविर आयोजित होगा।

नरेगा योजना के कार्यों का समय परिवर्तित

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुए महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कार्यो का समय परिवर्तित कर प्रात: 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला परिषद् जालोर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक नंद किशोर राजौरा ने बताया कि जिले में गर्मी के मौसम को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कार्यो का समय तुरन्त प्रभाव से प्रात: 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक (विश्राम काल रहित) निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि यदि कोई श्रमिक समूह समय से पूर्व निर्धारित टास्क के अनुसार कार्य पूर्ण कर लेता है तो वह कार्य की माप मेट के पास उपलब्ध मस्टरोल में अंकित टास्क प्रपत्र में करवाने के उपरांत एवं समूह के मुखिया के हस्ताक्षर उपरांत कार्यस्थल छोड सकता है। यह व्यवस्था 15 जुलाई तक लागू रहेगी।

भाजपाइयों ने सेवा कार्य किए

भाजपा के स्थापना दिवस को लेकर मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत नगर मंडल जालोर ने कार्यक्रम आयोजित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। भाजपा प्रदेश नेतृत्व व जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित के निर्देशानुसार भाजपा स्थापना दिवस के उपलक्ष पर मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत भाजपा नगर मंडल जालोर द्वारा कई स्थानों पर सेवा कार्य किए गए।

पूर्व नगर अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट सुरेश सोलंकी ने बताया कि कार्य म नगर अध्यक्ष रवि सोलंकी के निर्देशन में किए गए। जिला मुख्यालय पर हर बूथ पर कार्यक्रम करने के लिए बूथ अध्यक्षों को सामग्री वितरण की गई साथ ही भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रचार किया गया। साथ ही कार्यकर्ताओं से वर्चुअल संवाद भी किया गया। सोलंकी ने साथ ही सभी को भगवान महावीर जयंती की बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस दौरान बूथ अध्यक्ष दिनेश बारोट, रामाराम माली, चतराराम गहलोत, दिलीप सोलंकी, सुरेश चौधरी, अशोक गुर्जर, मनीष परमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरकार का रास्ता खोलो अभियान शुरू

गुड़ामालानी, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा हाल में ही रास्ता खोलो अभियान आरम्भ किया गया है। इस अभियान के तहत कटान मार्गों पर अतिक्रमणों को हटा कर खातेदार के रास्ते खुलवाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान का आज गुडामलानी में आरम्भ किया गया।

इसके तहत गुडामलानी के पालियाली गांव में पिछले बजट घोषणा में एक उप स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत हुआ था। उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए निजी खातेदार द्वारा भूमि समर्पित की। लेकिन इस समर्पित भूमि पर बन रहे उप स्वास्थ्य केंद्र को कटान रास्ता नहीं था। इस रास्ते को ग्रामीणों ने भूमि समर्पित की। इस रास्ते पर पीडब्ल्यूडी ने सडक बनाना आरम्भ किया गया। इस सडक निर्माण पर कई लोगों ने विरोध किया और निर्माण बंद करवा दिया।

इसको देखते हुए एसडीएम गुडामलानी ने इस 2.5 किमी लंबे रास्ते पर आज पैमाईश करवाई और जेसीबी आदि से अतिक्रमण हटवाया। इससे गांव के सैकडों किसानों को लाभ होगा। इस रास्ते से उप स्वास्थ्य केंद्र और स्कूल को आने जाने की राह खुल गई।

इससे गांव वालों ने सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी केशव कुमार मीना ने बताया कि सरकार की मंशा अनुसार आगे भी कटान रास्तों पर अतिक्रमण को हटाया जाएगा।

एसडीएम गुड़ामालानी के साथ पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता मसरराम, पटवारी मोहनलाल और बाबूलाल और पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

पोकरण स्टेशन का निरीक्षण

नव नियुक्त जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक (डी.आर.एम.) अनुराग त्रिपाठी का पोकरण में लोगों ने स्वागत कर रेल सुविधाओं से संबंधित ज्ञापन दिया। फोटो-राष्ट्रदूत

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर के लोगों के साथ भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं डीआरयूसीसी के पूर्व सदस्य जुगल किशोर व्यास, प्रकाश गिरी महाराज ने गुरुवार को नव नियुक्त जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनुराग त्रिपाठी का पोकरण आगमन पर भव्य स्वागत किया।

इस दौरान व्यास ने ज्ञापन सौंपकर मांग रखी कि ट्रेन संख्या 12407/12408 (बीकानेर-जैसलमेर एक्सप्रेस) की समयसारिणी में ऐसा बदलाव किया जाए जिससे इसे बीकानेर से हरिद्वार जाने वाली ट्रेन से जोडा जा सके। उन्होंने बताया कि यदि यह समायोजन किया जाता है, तो बीकानेर-जैसलमेर के साथ-साथ पोकरण, रामदेवरा और फलोदी जैसे इलाकों के यात्रियों को हरिद्वार के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इसके लिए जैसलमेर की ओर से आने वाली ट्रेन को बीकानेर से एक घंटा पहले रवाना करने का सुझाव दिया गया। वहीं रुणिचा एक्सप्रेस का ठहराव पोकरण करने की मांग रखा।। डीआरएम त्रिपाठी ने इस सुझाव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए शीघ्र निर्णय का आश्वासन दिया। वही रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों देरीको लेकर नाराजगी जताई। पानी, सफाई, छाया की व्यवस्थाओं पर दिशा निर्देश दिए इस अवसर पर निर्मल छगाणी ने स्टेशन पर टिन शेड, पुलिया निर्माण, एसी तत्काल आरक्षण सुविधा तथा साफ-सफाई को लेकर भी ज्ञापन सौंपा व व्यवस्था सुधारने की मांग की।

इस दौरान वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) मनोहर सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेडा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर जोगेंद्र मीणा, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अनुपम , पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास,प्रकाश गिरी, पूर्व विधायक शैतान सिंह, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मासहित कई जने उपस्थित रहे।

बार व बैंच के बीच दूरियां नहीं हो : हरिराम जाट

जालोर अभिभाषक संघ ने सेवानिवृत जिला एवं सैशन न्यायाधीश हरिराम जाट का स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। सेवानिवृत जिला एवं सैशन न्यायाधीश हरिराम जाट का अभिभाषक संघ जालोर की ओर से अभिनंदन किया गया।

जिला एवं सैशन न्यायाधीश जाट जालोर में एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए थे। अभिभाषक संघ जालोर की ओर से अभिभाषक कक्ष में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता सिकंदर अली सैयद, सरदार खां खोखर, गोपालसिंह सहित अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों व अधिवक्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया। न्यायाधीश जाट ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बार और बेंच के बीच मधुर संबंध होने चाहिए, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच दूरियां बढ रही है। कारण कोई हो, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा कहा कि न्यायाधीश के तौर जाट का कार्यकाल बहुत अच्छा रहा है। कार्यक्रम का संचालन अभिभाषक संघ के उपाध्यक्ष अश्विन राजपुरोहित ने किया।

कार्यक्रम में सचिव प्रवीण कुमार भादरु, अधिवक्ता रजनीकांत सोनी, भंवरलाल सोलंकी, शकील मेहर, मंगलसिंह राजपुरोहित, चैनाराम चौधरी, दौलत बाराडा, नवीन गहलोत, प्रवीण कुमार घांची, फारुक कुरैशी, खसाराम परिहार, रमेश सोलंकी, पदमसिंह भाटी, गणपतसिंह नोरवा, सुरेंद्र चौहान, समीर खान खोखर, अनन्या खान, विक्रमसिंह गोविंदला, रणजीतसिंह, प्रवीण कुमार बोस, दिनेश कुमार, कैलाश बाराडा, गोवर्धनसिंह चवरछा, चंदनमल छीपा, अजय कुमार जाटव समेत कई जने उपस्थित थे।

जैन संघ ने शोभायात्रा व वाहन रैली निकाली

गुड़ामालानी , (निसं) । मुख्यालय पर गुरुवार को भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव को लेकर जैन श्री संघ बाड़मेर के तत्वावधान में शोभायात्रा एवं वाहन रैली निकाली गई। जगह जगह शौभायात्रा का ग्रामीणों ने स्वागत किया।

समाज के संजय बोथरा ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी कें 2624 वा जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में गुडामालानी में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। साध्वी भंगवत की निश्रा में जैन श्री संघ बाड़मेर कें तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो बाडमेर भवन सें प्रांरभ होकर नगर में मुख्य राणा प्रताप बाजार सें होतें हुए जैन दादावाडी सें होकर चौमुखा पार्श्वनाथ तक पहुंची।

प्रवचन के दौरान मुक्तांजना श्रीजी आदि ठाणा 5 नें भगवान महावीर स्वामी कें जीयों और जीनें दो के संदेश को सभी धर्मप्रेमी बंधुओ के सामने रखा । भगवान महावीर के बताएं गए मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में शंकरलाल संखलेचा, बाबूलाल बी बोथरा, बाबूलाल धारीवाल,राणमल ओसवाल, बाबूलाल पी बोथरा, भगवानदास छाजेड़, बाबुलाल बोहरा, मदनलाल मालु, सम्पतराज सखलेचा, सुरेश बोथरा, केलाश मालु अभय सिधवी, महेंद्र बोकडीया, संजय बोथरा, केवलचन्द आदि ने भाग लिया।

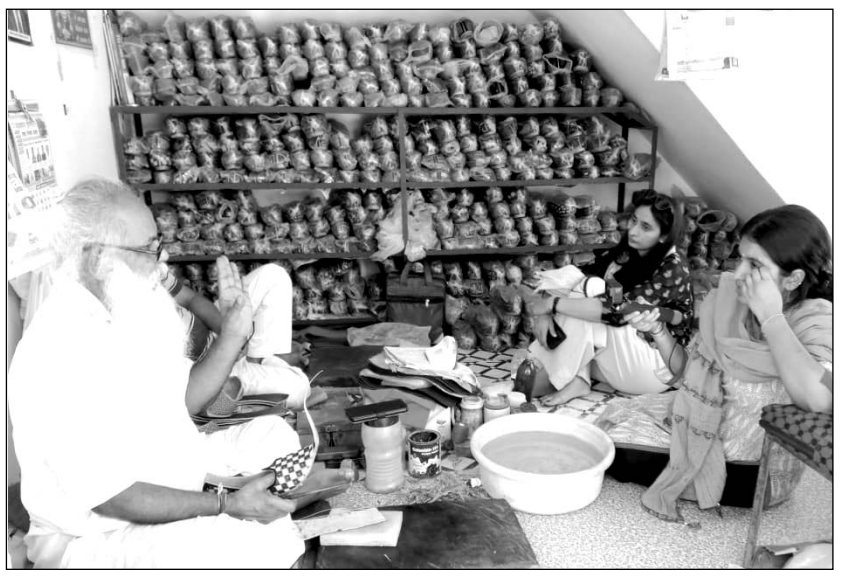

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर के शोधार्थी दल ने भीनमाल में जूती निर्माण कला की बारीकियां समझी। चमडे के उत्पादों के निर्माण, कारीगरों की आर्थिक सामाजिक स्थिति व महिलाओं की आत्मनिर्भरता को लेकर चर्चा की। शोधार्थियों का दल सहायक आचार्य डॉ. आकांक्षा चौधरी एवं डॉ लइक सिद्दीकी के सुपरविजन में कार्य कर रहा है। दल में नेहा, ज्ञानचंद, श्वेता, वामा, जिकमिक, रिद्धि, मुकेश खारवाल, अरविंद शामिल है। फोटो-राष्ट्रदूत

सम्मेलन 15 को

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के राजीव गांधी भवन का लोकार्पण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन 15 अप्रेल को आयोजित होगा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी के लिये विभिन्न ब्लॉकों एवं मंडलों की बैठक का दौर जारी है।

नोटिस वास्ते हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूचि संख्या-4

न्यायालय श्रीमान अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, स्थान... नाम अधिकारी श्री पीयूष चौधरी RHJS), प्रार्थी/गण रूखमणाराम विरूद्ध प्रबन्धक रिलायंस एवं जनरल इंश्योरेंस वगैरा, प्रार्थना पत्र 372 हिन्दू उत्तराधिकारी, अधिनियम, प्रकरण 31/2024 नाम.... पुत्र.... जाति.... पता..... प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि .....अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 19.05.2025 को 08 बजे स्वयं या अपने अभिभाषक द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि ऐसा करने मे असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एकपक्षीय रूप से किया जाएगा। आज दिनांक 29.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।

आज्ञानुसार

अपर जिला एवं सेशन न्यायालय, बाड़मेर

पंचायत समिति की मांग को लेकर राजसमंद का कुंवारिया कस्बा दूसरे दिन भी बंद रहा

तहसील कार्यालय पर ग्रामीणों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा

राजसमन्द, (निसं)। जिले में कुंवारिया कस्बे को पंचायत समिति का दर्जा दिलाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी ग्रामीणों और व्यापारियों ने बाजार पूरी तरह बंद रखे और तहसील कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शनकारियों में स्थानीय व्यापारी, समाजसेवी, युवा और महिला संगठनों के प्रतिनिधि के अलावा ग्रामीण शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार सुबह से ही तहसील कार्यालय परिसर में लोग बारी-बारी से धरने पर बैठते रहे और आंदोलन की अगली रणनीति तैयार करते रहे। व्यापारियों ने पूर्ण बाजार बंद रखकर समर्थन जताया। आवश्यक सेवाओं को भी सीमित समय के लिए खोला गया। कुंवारिया बाजार के पूरी तरह बंद रहने से आस-पास के गांवों से आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खरीदारी के लिए आए लोगों को न दवा की दुकानें मिलीं और न ही दैनिक उपयोग की वस्तुएं। शुक्रवार को भाजपा से पंचायत समिति सदस्य कुसुम तातेड सहित 1100 भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक इस्तीफा देने की तैयारी की

कुंवारिया कस्बे को पंचायत समिति बनाने की मांग को लेकर बाजार बंद रहे।

जा रही है। कुंवारियां के हक की लड़ाई में सहयोग देते हुए गुरूवार को दूसरे दिन भी बंद का समर्थन किया। पंचायत समिति की मांग को लेकर व्यापारियों व आमजन ने किस प्रकार से कुंवारिया बंद का समर्थन किया उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुंवारिया में चाय की थड़ी, पान की दुकान से लेकर बड़े व्यापार प्रतिष्ठान पूरी तरह से बंद रहे।

धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे पूर्व प्रधान भानू पालीवाल ने भी कुंवारिया के आमजन की मांग का समर्थन करते हुए मांग को जायज बताया। उन्होंने कहा कि दो दशक से स्थानीय लोगों की चली आ रहीं मांग को पूरा करना चाहिए। क्योंकि पंचायत समिति बनने के लिए तय मापदण्ड कुंवारिया कस्बे में उपलब्ध होने के बाद भी नंजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुंवारिया पंचायत समिति बनेगी तो क्षैत्र के काश्तकारों, ग्रामीणों व आमजन को काफी राहत मिलेगी। भाजपा मीरा मण्डल के

- **भाजपा से पंचायत समिति सदस्य कुसुम तातेड़ सहित 1100 कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक इस्तीफा देने की तैयारी की जा रही है**

प्रतिनिधि सदस्य कालुसिंह राठौड़ ने भी ग्रामीणों की वाजिब मांग का समर्थन किया।

धरना प्रदर्शन में कुंवारिया प्रशासक ललित श्रीमाली, उपसरपंच सुरेश जाट, फियावडी प्रशासक सुरेशचन्द्र चौधरी, पंसस कुसम तातेड, विजय गुर्जर, घाटी उपसरपंच विजय प्रकाश सनाढ्य, सर्व व्यापार मण्डल अध्यक्ष गिरिराज मूंदडा, महामंत्री यशवंत पीपाडा, पूर्व सरपंच दौलत सिंह शक्तावत, पूर्व पंसस मुकेश शर्मा, कालूराम जाट, डालचंद कुमावत, पूर्व उपसरपंच रमेश कीर, गोवर्धनदास वैष्णव, बद्रीलाल कीर आदि सहित दर्जनों लोगों ने विचार व्यक्त किए।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 56 लाख की धोखाधड़ी

बड़ा रिर्टन दिलवाने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे, सायबर टीम ने कार्रवाई की, दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। स्टॉक मार्केट में निवेश कर अच्छा रिर्टन का प्रलोभन देकर फरियादी से धोखाधड़ी के मामले में सायबर टीम ने कार्रवाई करते हुए 56 लाख रूपये की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि 22 नवम्बर 2024 को परिवादी आशीष शर्मा ने रिपोर्ट दी कि अक्टूबर महीने में उन्हें वाट्सअप पर स्टॉक मार्केट ग्रेट रीच क्लब नाम के ग्रुप से जोड़ा गया। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि उक्त ग्रुप में प्रक्षाल गंगवाल नामक एक प्रोफेसर और उसकी सहायक आरोही शर्मा है। परिवादी ने कहा कि ग्रुप में उन्होंने उन शेयरों के नाम बताये जो अपर सर्किट में है और गांरटी दी कि उनकी कंपनी के माध्यम से निवेश के छह माह के भीतर 200 प्रतिश्त लाभ मिलेगा। उनके द्वारा मोबाइल एप्लिकेशन बल्क एफएस प्रो डाउनलोड करने का सुझाव दिया और निवेश करने के लिये कहा। परिवादी ने कहा कि बाद में एहसास हुआ कि उसके साथ 56,13,190 रूपये की धोखाधड़ी हुई है।

शहर एसपी ने कहा कि परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये विशेष टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि

ठगी के आरोपियों को सायबर टीम ने गिरफ्तार किया।

सायबर टीम ने मामले में कार्रवाई की तो मामले में सामने आया कि अज्ञात शतिर सायबर ठगों द्वारा फरियादी को स्टॉक मार्केट में निवेश कर अच्छा रिर्टन का प्रलोभन देकर धोखाधड़ी की है। सायबर टीम ने बैंक खातों का रिकॉर्ड, मोबाइल नम्बरों का रिकार्ड व तकनीकी अनुसंधान करते हुए मामले में सामने आया कि जिला सूरत के जहांगीरपुरा निवासी रोहन हरिहर देसाई (40) एवं जिला सूरत निवासी अब्दुल रहमान हीरानी (27) द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सायबर ठगी की राशि को अपने खातों में डलवाकर यू.एस.डी.टी. में बदलकर विदेशों में भेजता था।

शहर एसपी ने बताया कि जिस पर सायबर टीम को सूरत भेजा गया और आरोपियों की तलाश कर सूरत से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी इतने शातिर थे, कि वारदात के बाद मोबाइल नंबरों को बंद कर लेते थे व वर्चुअल नंबरों के माध्यम से साथियों के साथ संपर्क किया करते थे। जिससे पुलिस को चकमा दिया जा सके। उक्त आरोपियों द्वारा सायबर ठगी की राशि को यू.एस.डी.टी. में बदलने वाले खातों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। पकड़े गये आरोपियों के पास से दो फोन, 15 हजार रूपये नकद जब्त किये व टीम ने तीस लाख रूपये की राशि फरियादी को रिफंड करवाई। आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के गिरोह का पर्दाफाश

पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया।

जमवारामगढ़, (निसं)। जयपुर ग्रामीण पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप यादव और वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ के सुपरविजन में यह कार्रवाई थाना जमवारामगढ़ पुलिस द्वारा अंजाम दी गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एसएमएस अस्पताल के दवा वितरण केंद्र का संविदाकर्मी और न्यू शर्मा मेडिकल स्टोर (एसएमएस अस्पताल के पास) का संचालक भी शामिल है। यह कार्यवाही पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज अजयपाल लांबा के निर्देशन में चलाए जा रहे "ऑपरेशन क्लीन स्वीप" और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय रजनीश पूनिया के नेतृत्व में "ऑपरेशन नॉकआउट" के तहत की गई। संयुक्त टीम डीएसटी जयपुर ग्रामीण और थाना आंधी पुलिस ने एक बाल अपचारी को भी डिटेन किया, जो नशीली दवाओं की अवैध बिक्री में सक्रिय था।

जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस ने एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। वार्ड नंबर 29 के रहने वाले सलीम (29) के पास से 12 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि आरोपी सलीम के खिलाफ पहले से सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट और मारपीट के केस शामिल हैं। पुलिस लंबे समय से उस पर नजर रख रही थी। विशेष सूचना मिलने पर पुलिस ने 22 ए रोड पर नाका लगाया। एसआई सरदार सिंह के नेतृत्व में टीम ने सलीम को रोककर तलाशी ली। इस दौरान उसके पास से कारतूस मिला। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस ये पता लगा रही है कि आरोपी ने कारतूस कहां से प्राप्त किया और इसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए करना चाहता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बीकानेर में गर्मी के तेवर तेज, तापमान 40 डिग्री पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। यहां एक बार फिर आसमान से अंगारे बरस रहे हैं। एक दिन हल्की रिमझिम बारिश के बाद गिरा तापमान चौबीस घंटे में ही अपना रोद्र रूप फिर से दिखाने लगा है। बीकानेर शहर में गुरुवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है, जिसके आगामी दिनों में और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

गुरुवार दोपहर बीकानेर में बुधवार जैसा मौसम नहीं था। बुधवार शाम होते-होते बादलों ने पूरे शहर को धूप से राहत दिला दी थी लेकिन गुरुवार को ऐसा नहीं हुआ। तपती धूप में फिर से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। तापमान में हो ही बढ़ोतरी का ये सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में बीकानेर में पारा फिर से 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। बीकानेर में एक बार फिर हीट वेव चलने

- **आगामी दिनों में तापमान और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है**

की आशंका खुद मौसम विभाग ने जताई है। बीकानेर के निवासियों को मौसम विभाग ने बाकायदा एसएमएस करके अलर्ट दिया है कि गर्मी में बढ़ गई है। लू चलने की आशंका है। बीकानेर के अलावा भी कई जिलों में ऐसे ही अलर्ट एसएमएस के माध्यम से दिए गए हैं।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने लू और तापघात के मद्देनजर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि मनरेगा कार्य स्थलों पर छाया, पानी और दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के लिए पानी की खेलियां भरवाने तथा पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का अभियान चलाने को कहा। जिला कलेक्टर ने कहा कि पशुपालन विभाग के अधिकारी सभी गौशालाओं का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि गौशालाओं में पेयजल छाया और चारे की कोई कमी नहीं हो। उन्होंने मोबाइल वेटरनरी वेन के टोल फ्री नंबर 1962 को प्रचारित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में बर्फ बनाने वाली फैक्टियों की सघन चेकिंग करते हुए बर्फ बनाने में काम लिए जाने वाले पानी के नमूने लेने के निर्देश दिए। वही कहा कि कैंपर से सप्लाई होने वाले पानी की गुणवत्ता की जांच भी की जाए। रोडवेज बस स्टैंड पर छाया पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

अवैध गांजा सहित कार जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। मांण्डवाल थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध गांजे से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह राठौड़ के सुपरविजन में माण्डवा थानाधिकारी देवीलाल के नेतृत्व में गठित दल ने नाकाबंदी के दौरान बीकरनी की तरफ से आ रही एक जीप को रूकने का इशरा किया। इस पर चालक जीप लेकर भागा तो पुलिस दल ने पिछा करने पर चालक व साथी जीप छोड़ कर भाग गए। पिछा किया तो एक व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम लक्ष्मण पुत्र लाडुजी निवासी खादरा माण्डवा बताया। तलाशी ली तो गाड़ी में 5 किलो 550 ग्राम अवैध गांजा मिला। इस पर जीप मय गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

नकली सोने को असली बताकर गोल्ड लोन लिया

बीकानेर, (निसं)। नकली सोने को असली बताकर लाखों रुपए का गोल्ड लोन लेने का मामला सामने आया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने इस संबंध में नौ लोगों के खिलाफ जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने में मामला दर्ज कराया है। पिछले दिनों बैंक की ऑडिट के दौरान ये मामला सामने आया।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की खतुरिया कॉलोनी शाखा के प्रबंधक धीरज खंडेलवाल ने एफआईआर दर्ज कराते हुए आठ लोगों पर बैंक के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। एफआईआर में कहा गया है कि नौ ग्राहकों और तीन स्वर्णकारों ने मिलकर बैंक से लाखों रुपए का लोन उठाया है। बैंक ने सोने के असली होने की रिपोर्ट के आधार पर लोन दे दिया। पिछले दिनों एक ऑडिट टीम ने बैंक में इस गोल्ड को जांचा परखा, तो ये नकली पाया गया। दरअसल, जिन गहने के आधार पर लोन दिया गया था, उनमें सोना बहुत कम था, जबकि नकली हिस्सा ज्यादा था। खंडेलवाल की रिपोर्ट पर पुलिस ने चेतन, हेमंत कुमार, प्रकाश निर्मल, राधा देवी, रमजान, सदाकत अली, सीताराम, सुरजाराम और यश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

इसी मामले में बारह जनों पर फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। पुलिस उन स्वर्णकारों की भी तलाश कर रही है, जिन्होंने नकली सोने को असली बताते हुए लोन दिलाने में सहायता की थी। ये पहला अवसर नहीं है, इससे पहले भी एसबीआई ने ही फर्जी रिपोर्ट का खुलासा किया था।

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर। शहर के अंबामाता थाना क्षैत्र में सूने मकान से चोर सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरनगर पुर्बिया कॉलोनी मल्लातलाई अम्बामाता निवासी अर्जुनलाल कुमावत पुत्र शंकरलाल के सूने मकान से चोर सोने की 2 अंगूठियां, इयरिंग, चांदी की पायल, बिछियां, अंगूठी तथा 15 हजार की नकदी चुरा ले गए। रात में मकान की छत के रास्ते नीचे उतर कर चोर वारदात कर फरार हो गए। पीड़ित के घर लौटने पर ताला टूटा व सामान कमरों में सामान बिखरा मिलने पर प्रकरण दर्ज करवाया। वहीं खेरोदा कस्बे के रोही खेड़ा गांव में स्थित तीन मकानों से नकबजनी कर चोर सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए।9 अप्रेल रात में आए तोलीराम पुत्र निहाराम के मकान की खिड़की खोल अंदर घुसे चोर जेवर व नकदी चुरा ले गए।

चरागाह भूमि से अवैध कोयला भट्टियां हटाई

उदयपुर, (निसं)। नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ की चारागाह भूमि पर अतिक्रमण कर लगाई गई अवैध कोयला भट्टियों को प्रशासन, पुलिस और नगर पालिका की टीम ने ध्वस्त कर दिया।

नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी छेल कुंवर ने बताया कि चारागाह भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत प्राप्त होने पर मावली उपखण्ड अधिकारी रमेश सीरवी पुनाड़िया के निर्देशन में अधिशासी अधिकारी मय टीम, तहसीलदार भंवरलाल मीना, फतहनगर नायब तहसीलदार सम्पत सिंह भाटी तथा थानाधिकारी चंद्रशेखर मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे। मौके पर राजस्व विभाग द्वारा सीमा ज्ञान किया गया। इसके पश्चात जेसीबी की मदद से अवैध कोयला भट्टियों को ध्वस्त किया। नगर पालिका से कनिष्ठ अभियन्ता भगवती लाल खारीवाल, सीनीयर ड्राफ्ट मैन हेमन्त मालवीय एवं कार्यवाहक स्वच्छता निरीक्षक भगवत सिंह आदि भी मौजूद रहे। टीम ने संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी की। साथ ही संबंधित स्थान पर पालिका सम्पति के दो बोर्ड लगवाये। जले हुए कोयलों को सुरक्षित रखा गया एवं अग्निशमन वाहन से चारों तरफ पानी का छिड़काव कर लकड़ी को सुरक्षित रख दी गई। मौके पर कोई किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आस पड़ोस के लोगों को उक्त नगर पलिका सम्पति को खुर्द बुर्द नहीं करने बाबत व अन्य उपयोग में नही लेने बाबत पांबद किया गया।

अतिक्रमण हटाए जाने के पश्चात उपखण्ड अधिकारी के निर्देश पर एक नियमित टीम गठित की गई। इसमें संबंधित पटवारी, भू-अभिलेख निरीक्षक, नगरपालिका कार्मिक, पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी को शामिल किया। यह टीम प्रति सप्ताह एक ध्वस्त रिपोर्ट उपखण्ड मजिस्ट्रेट कार्यालय को पेश प्रस्तुत करेगी। इसमें उन सभी चिन्हित स्थानों पर पुनः भट्टियां नहीं लगे यह सुनिश्चित करते हुए जांच रिपोर्ट पेश प्रस्तुत की जाएगी।

साथ ही अधिशाषी अधिकारी फतहनगर को चारागाह भूमि का सीमांकन कर इसमें कोई नया निर्माण नहीं हो एवं चारागाह भूमि पर हुए अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने की नियमानुसार कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

सैलून संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में एक सैलून संचालक ने दुकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता उस समय चला जब युवक के घर नहीं पहुंचने पर उसके परिवार वाले उसको ढूंढते हुए दुकान पर पहुंचे, जहां युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला, जिसे नीचे उतार कर उपचार के लिये कोटा के निजी चिकित्सालय ले गये, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जवाहर नगर थाने के एएसआई किशोरीलाल ने बताया कि मृतक कंसुआ निवासी मनीष (35) है जिसकी तलवंडी इलाके में सैलून की दुकान है। एएसआई ने बताया कि युवक दुकान से शाम को सात बजे तक घर पर लौट जाता था लेकिन बुधवार रात्रि तक घर पर नही आने पर परिजन उसे ढूंढते हुए दुकान पर पहुंचे जहां युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। एएसआई ने बताया कि गुरूवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

- **आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है, मामला दर्ज कर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है**

बढ़ती महंगाई का विरोध, आनासागर झील में फेंके गैस सिलेंडर

अजमेर, (कासं)। देश सहित प्रदेश में बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर व पेट्रोल डीजल के बढ़ते दामों को लेकर कांग्रेस ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में अजमेर में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आनासागर झील में गैस सिलेंडर फेंककर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार पर आम जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया।

यूथ कांग्रेस शहर अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ता एकत्रित हुए और वैशाली नगर रीजनल कॉलेज वाली चौपाटी पहुंचकर केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मल्होत्रा ने बताया कि केंद्र में भाजपा की सरकार को साल वर्ष पूरे हो चुके हैं, एक तरफ तो प्रधानमंत्री बड़े-बड़े वादे करते हैं, तो वहीं दूसरी ओर महंगाई को बढ़ाया जा रहा है।

वर्तमान में गैस के सिलेंडर हजार रुपए तक पहुंच चुका है, लेकिन कोई भी

आनासागर झील के किनारे यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

अपनी जिम्मेदारी नहीं ले रहा है। केंद्र और राज्य में चुनाव आने पर गैस सिलेंडर के दाम कम कर दिए जाते हैं। जनता को पागल बनाने और भ्रमित करने का काम भाजपा सरकार कर रही है। चुनाव जाने के बाद किसी न किसी बहाने से भाव बढ़ा दिए जाते हैं।

- **कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर आम जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया**

यूथ कांग्रेस के प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज वैशाली नगर रीजनल कॉलेज चौपाटी के पास आनासागर झील में गैस सिलेंडर फेंककर विरोध प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शनकारी महिलाओं पदाधिकारियों का कहना रहा कि आए दिन गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे मध्यम वर्ग दाम बढ़ने से परेशान हो चुका है। रसोई का बजट बिगड़ चुका है। यूथ कांग्रेस केंद्र की भाजपा सरकार से मांग करती है कि गैस सिलेंडर, पेट्रोल व डीजल के दाम कर मध्यम वर्ग के लोगों को राहत प्रदान करें। अन्यथा यूथ कांग्रेस द्वारा जनआंदोलन किया जाएगा।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीयकृत रोजगार सूचना सं. 01/2025 सहायक लोको पायलट (एएलपी) की भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे तालिका में दिये गये अनुसार सहायक लोको पायलट के पद के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से जमा किये जाने चाहिए।

आवेदन खुलने की तिथि: 12 अप्रैल 2025

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 11 मई 2025 (23:59 बजे)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार वेतन लेवल	प्रारंभिक वेतन (रू)	शैक्षणिक एवं चिकित्सा मानक	1.7.2025 को आयु	कुल रिक्तियां (सभी आरआरबी)
सहायक लोक पायलट (एएलपी)	2	19,900/–	विस्तृत सीईएन का संलग्नक–ए	18–30 वर्ष	9970

उम्मीदवारों को निश्चित रूप से सूचित किया जाता है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित करें ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि के साथ 100 प्रतिशत मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना चाहिए। इसी प्रकार ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट किया जाना चाहिए।

यह अधिसूचना पूर्ण रूप से सांकेतिक है। पूर्ण विवरण के लिए आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले विस्तृत सीईएन नं. 01/2025 (एएलपी) को भली–भांति पढ़ने की सलाह दी जाती है। उपरोक्त भर्ती के संबंध में कोई भी शुद्धिपत्र / परिशिष्ट / महत्वपूर्ण सूचना समय–समय पर नीचे वर्णित आरआरबी की वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

सीईएन नं. 01/2025 में प्रतिभागी आरआरबी की वेबसाइट

अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	अजमेर www.rrbajmer.gov.in	भोपाल www.rrbbhopal.gov.in	भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in
बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	चंडीगढ www.rrbcdg.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in	गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in
जम्मू श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in	मुंबई www.rrbmumbai.gov.in
मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in	रांची www.rrbranchi.gov.in
सिकन्दराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in	सिलिगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in	तिरूवनंतपुरम www.rrbthiruvananthapuram.gov.in	गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in

रेमबो/अज./एडीवीटी/01/2025
दिनांक: 11.04.2025

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

जयपुर मेट्रो फेज़-2 की डी.पी.आर. भविष्य की जरूरत देखते हुए बनाई जाये : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मेट्रो कॉरिडोर (फेज-2) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेट्रो फेज-2 की डीपीआर में प्रस्तावित सीतापुरा से अंबाबाड़ी तथा विद्याधर नगर तक भविष्य की आवश्यकता तथा आमजन की सुगमता को देखते हुए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएं।

उन्होंने कहा कि जयपुर एक ऐतिहासिक और तेजी से बढ़ता शहर है और मेट्रो का विस्तार यहां की बढ़ती आबादी और यातायात दबाव को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार की मंशा है कि जयपुरवासियों के लिए सुगम एवं अत्याधुनिक परिवहन तंत्र विकसित किया जाए जिससे जयपुर स्मार्ट सिटी की दिशा में देशभर में मॉडल शहर बने। शर्मा ने कहा कि मेट्रो फेज-2 के तहत प्रोजेक्ट में खर्चे व लागत का समुचित आकलन किया जाये ताकि वित्तीय संसाधनों का सदुपयोग होने के साथ ही आमजन के लिए भी बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मेट्रो की डीपीआर में प्रस्तावित रूट, अनुमानित लागत, परियोजना की व्यवहार्यता तथा वित्तीय मॉडल की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मेट्रो कॉरिडोर फेज-2 की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सीएमडी वैभव गालरिया, जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त आनंदी सहित जयपुर मेट्रो से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना में आमजन की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए रूट का निर्धारण किया जाए। उन्होंने कहा कि मेट्रो स्टेशन ऐसे स्थानों पर बनाए जाएं जो आम लोगों की पहुंच में हों, और इसके साथ-साथ रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट के नजदीक मेट्रो स्टेशन बनाया जाना सुनिश्चित करें जिससे मेट्रो की उपयोगिता अधिकतम हो। बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने मेट्रो परियोजना के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सीएमडी वैभव गालरिया, जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त आनंदी सहित जयपुर मेट्रो से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

- मुख्यमंत्री ने जयपुर मेट्रो-फेज 2 की बैठक में कहा, ''आमजन की सुगमता को देखते हुए निर्धारित करें मेट्रो का रूट''
- 'मेट्रो विस्तार से जयपुर में यातायात प्रबंधन को मिलेगी मजबूती'

भरतपुर में खननकर्ताओं पर 180 करोड़ रु. का जुर्माना

जयपुर। राज्य के माइन्स विभाग द्वारा राज्यभर में कार्रवाई जारी है। उदयपुर, जोधपुर, जयपुर, भीलवाड़ा सहित अन्य स्थानों के साथ ही भरतपुर जिलें में पहाड़ी तहसील के खनन क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक स्थानों/खानों पर औचक कार्रवाई कर खननकर्ताओं पर 180 करोड़ रुपए का जुर्माना लगया है। माइन्स विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई के दौरान खननकर्ताओं द्वारा रवन्नाओं के दुरुपयोग, बिना रवन्ना के खनिजों का अवैध निगर्मन, अवैध खनन व गैप एरिया में अवैध खनन करना पाया गया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा समय समय पर विभागीय समीक्षा बैठकों के दौरान और गत 2 अप्रेल को आयोजित खान विभाग की समीक्षा बैठक में अवैध खनन गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करने के निर्देश देते रहे हैं। विभाग द्वारा 2 अप्रेल से 9 अप्रेल के दौरान में अवैध खनन, खनिज परिवहन और खनिज भण्डारण के विरुद्ध 339 कार्रवाई करते हुए 168 वाहन मशीनरी जब्त की है।

इस दौरान समूचे प्रदेश में 24 हजार 950 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया है वहीं अलग अलग पुलिस थानों में 43 एफआईआर दर्ज कराई गई है और 26 गिरफ्तारी हुई है। एक करोड़ 97 लाख रुपए का जुर्माना वसूल कर राजकोष में जमा कराया गया है।

निदेशक माइन्स दीपक तंवर ने बताया कि विभाग की विशेष टीम ने भरतपुर जिले की पहाड़ी तहसील के छपरा, घौलेट और नांगल आदि गांवों की एक दर्जन से अधिक खानों के मुआयना के दौरान व्यापक स्तर पर अनियमितता पाये जाने पर अवैध खनन का आकलन कर 180 करोड़ रुपए से अधिक की शास्ति लगाई गई है। इनमें पहाड़ी के छपरा गांव में 3 स्थानों, ग्राम धौलेट में 5 स्थानों और नांगल ग्राम के 6 स्थानों पर खानधारकों द्वारा रवन्नाओं के दुरुपयोग, बिना रवन्ना के खनिज निगर्मन और गेप एरिया में अवैध खनन के मामलें सामने आये हैं। विभाग द्वारा अवैध खनन का अलग अलग आकलन कर सब पर अलग अलग कुल मिलाकर 180 करोड़ रु. की शास्ति लगाई है।

- अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ 339 कार्रवाई में 168 वाहन मशीनरी जब्त
- उदयपुर, जोधपुर, जयपुर, भीलवाड़ा सहित अन्य स्थानों के साथ ही भरतपुर जिलें में की कार्रवाई

केन्द्र सरकार की प्रदेश को विशेष सौगातें, मुख्यमंत्री ने आभार जताया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क एवं रेल कनेक्टिविटी को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा दी गई स्वीकृतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। केन्द्र सरकार द्वारा दी गई इन विशेष सौगातों से प्रदेश में रेल एवं सड़क तंत्र सुदृढ होगा तथा आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में 394.03 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा (लंबाई 7.95 किमी, पैकेज-2) खंड से पेव्ड शोल्डर एलिवेटेड संरचना के साथ 2-लेन के निर्माण की स्वीकृति दी है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-58 के जंक्शन से लाडनू में शुरू होकर जस्सा खेड़ा तक जाता है। इस खंड के विकास के बाद भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ की यात्रा 38 किमी कम हो जाएगी तथा इससे बर और पिपलिया कलां औद्योगिक पार्क से कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस परियोजना में टॉडगढ़-रावली वन्यजीव अभयारण्य में आने वाले 7.95 किमी खंड पर एलिवेटेड संरचना का निर्माण भी किया जाएगा। वहीं, केन्द्र सरकार की ओर से प्रदेश में रामदेवरा से पोकरण के बीच भैरव गुफा एवं कैलाश टेकरी होकर नई रेल लाइन की स्वीकृति मिली है। इससे बीकानेर और जोधपुर से जैसलमेर की रेल यात्रा में लगभग 45 मिनट की बचत होगी।

- राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा खंड से सड़क निर्माण के लिए 394.03 करोड़ रुपये स्वीकृत
- रामदेवरा से पोकरण के बीच भैरव गुफा एवं कैलाश टेकरी होकर नई रेल लाइन स्वीकृत

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर शुभकामनाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती (11 अप्रेल) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फूले को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने गरीब, पिछड़े, दलित एवं शोषित वर्ग के उत्थान तथा सामाजिक जड़ताओं व कुरीतियों को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उन्होंने महिलाओं के कल्याण व महिला शिक्षा को बढ़ावा देने में भी अहम योगदान दिया। समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष के प्रति समर्पण के कारण उन्हें महात्मा की उपाधि दी गई।

वक्फ संशोधनों के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का आंदोलन

तहफ्फुज-ए-औकाफ राजस्थान की अगुवाई में ज्वाइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले जयपुर स्थित मुस्लिम मुसाफ़िरख़ाने में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

जयपुर। संसद में पारित वक्फ संशोधन विधेयक के ख़िलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। बोर्ड ने इन संशोधनों को इस्लामी परंपराओं, धार्मिक स्वतंत्रता, सामाजिक सौहार्द और भारतीय संविधान के विरुद्ध बताया है। बोर्ड का कहना है कि वक्फ संपत्तियों पर सरकार द्वारा किए गए हालिया संशोधन मुस्लिम समुदाय के अधिकारों और धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर सीधा हमला हैं। राजस्थान में इस आंदोलन की अगुवाई तहफ्फुज-ए-औकाफ राजस्थान द्वारा की जा रही है। ज्वाइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले राजधानी जयपुर स्थित मुस्लिम मुसाफ़िरख़ाने में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि जिस तरह किसानों के खिलाफ लाए गए कृषि कानूनों को व्यापक विरोध के बाद सरकार को वापस लेना पड़ा था, उसी प्रकार वक्फ संशोधनों के खिलाफ भी व्यापक और लोकतांत्रिक विरोध किया जाएगा। वक्ताओं ने वक्फ संशोधनों को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि इसे बिना संवाद और विचार-विमर्श के पारित किया गया है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

राजस्थान में आंदोलन के कन्वीनर और जमात-ए-इस्लामी हिंद राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद नाज़िमुद्दीन ने बताया कि 10 अप्रैल से 7 जुलाई तक 'वक्फ बचाओ' अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान गली-मोहल्लों से लेकर जिला मुख्यालयों तक विरोध प्रदर्शन, जनजागरूकता सभाएं, पदयात्राएं और सोशल मीडिया अभियानों का आयोजन किया जाएगा।

सेवा में नियमित मानते हुए पेंशन परिलाभ देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 35 साल की सेवा में बाद दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के तौर पर पांच साल पहले रिटायर हुए कर्मचारी को 10 अप्रैल, 2006 की कट ऑफ डेट से नियमित मानते हुए उसे समस्त पेंशन परिलाभ देने के आदेश दिए हैं। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश डीके शर्मा की ओर से 20 साल पहले दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि अन्य कर्मचारियों की तरह याचिकाकर्ता को साल 2006 में ही नियमित कर दिया जाना चाहिए था।

याचिका में अधिवक्ता हितेश बागड़ी ने बताया कि याचिकाकर्ता चिकित्सा विभाग, कोटा में साल 1985 में एलडीसी पद पर दैनिक वेतनभोगी के तौर पर लगा था। तय प्रोजेक्ट पूरा होने पर उसे उसी साल हटा दिया गया। वहीं बाद में लेबर कोर्ट के आदेश पर उसे पुन: सेवा में लिया गया। याचिकाकर्ता ने विभाग में प्रार्थना पत्र पेश कर उसे नियमित करने की गुहार की, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। वहीं याचिका के लंबित रहने के दौरान राज्य सरकार ने 27 फरवरी, 2009 को अधिसूचना जारी कर प्रावधान किया कि 10 अप्रैल, 2006 तक दस साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों नियमित किया जाएगा। इसके बावजूद भी उसे नियमित नहीं किया गया। जबकि वह सीएमएचओ की ओर से जारी सूची में भी शामिल था। वहीं साल 2020 में वह दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के तौर पर ही रिटायर हो गया।

इसका विरोध करते हुए विभाग के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता को प्रोजेक्ट विशेष के लिए लिया गया था और प्रोजेक्ट पूरा होने पर उसे हटाया गया। वहीं उसे कोर्ट की दखल के बाद वापस सेवा में लिया गया। सीएमएचओ ने भी गलत व्याख्या कर उसे सूची में शामिल किया था। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को कट ऑफ डेट से नियमित मानते हुए पेंशन परिलाभ देने को कहा है।

शादी का झांसा देकर देह शोषण करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर, द्वितीय ने युवती को शादी का झांसा देकर उसका दो साल तक देह शोषण करने वाले अभियुक्त सुनील कुमार को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी राजवीर सिंह ने अभियुक्त पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अरुण जाटावत ने बताया कि घटना को लेकर पीडिता ने 16 जनवरी, 2019 को करणी विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि शहर के पुस्तकालय में उसकी पहचान अभियुक्त से हुई थी। इस दौरान अभियुक्त ने उसे अविवाहित बताते हुए शादी का झांसा दिया। अभियुक्त ने उसे होटल ले जाकर संबंध बनाए। वहीं बाद में गर्भवती होने पर उसका गर्भपात भी कर दिया। इसके बाद कुछ माह पहले अभियुक्त ने उसे एक फ्लैट में रखकर आए दिन देह शोषण किया। इस दौरान उसे पता चला कि अभियुक्त विवाहित है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि पीडिता उसकी मां के फ्लैट में रह रही है। जब उसने फ्लैट खाली कराने के लिए कहा तो पीडिता ने उसे हड़पने की नीयत से झूठा मामला दर्ज करा दिया। पीडिता अभी भी उसी फ्लैट में रह रही है और उनका किराया अधिकरण कोर्ट में मुकदमा भी लंबित है।

पी.डब्ल्यू.डी. का इंजीनियर निकला करोड़ों रुपये की संपत्ति का मालिक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशाषी अभियंता (एक्सईएन) हरिप्रसाद मीणा के जयपुर और दौसा सहित पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। एसीबी के मुताबिक मीणा पर आय से लगभग 200 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। टीम ने कई दस्तावेज, पासबुक, प्रॉपर्टी डील, डिजिटल डेटा आदि को जब्त किया है।

पुलिस महानिदेशक एसीबी रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड दूदू जिला जयपुर में पोस्टेड एक्सईएन हरिप्रसाद मीणा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। जिस पर गुरूवार की सुबह एक्सईएन के 5-6 ठिकानों सर्च किया जा रहा है। इनमें दूदू के गांव बगड़ी और जगतपुरा में उसके घर सहित ऑफिस में भी एसीबी के अधिकारी सर्च कर रहे है। एसीबी की प्रारंभिक जांच में हरिप्रसाद मीणा के पास कई बेनामी संपत्तियां और लग्जरी सुविधाएं सामने आई हैं। दो ऑडी कारें, एक स्कॉर्पियो, फोर्ड एंडेवर एसयूपी और रॉयल एनफील्ड बाइक, यूनिक एम्पोरिया और यूनिक न्यू टाउन अपार्टमेंट्स में तीन महंगे फ्लैट, दौसा के बगड़ी गांव में एक फार्म हाउस, विदेश यात्राओं और लग्जरी होटलों में ठहरने का भी ब्यौरा मिला है। इसके अलावा 19 बैंकों में खाते हैं। जिनमें करोड़ों के लेनदेन की जानकारी भी सामने आई है। साथ ही बैंकों से लिए भारी लोन को भी कम समय में चुकाने की जानकारी सामने आई है।

आरोपी हरिप्रसाद मीणा के घर मिली ऑडी कार।

आरोपी हरिप्रसाद मीणा

- एक्सईएन हरिप्रसाद मीणा के जयपुर और दौसा सहित 5 ठिकानों पर एसीबी ने छापेमारी की

प्रारंभिक जांच में कई बेनामी संपत्तियां, कई लग्जरी गाड़ियां, यूनिक एम्पोरिया और यूनिक न्यू टाउन अपार्टमेंट्स में तीन महंगे फ्लैट, दौसा के बगड़ी गांव में फार्म हाउस, विदेश यात्राओं और लग्जरी होटलों में ठहरने का ब्यौरा मिला है।

इसके अलावा 19 बैंक खातों की जानकारी मिली है, जिनमें करोड़ों रुपये का लेनदेन हुआ है। ए.सी.बी. टीम ने मौके से दस्तावेज, पासबुक, प्रॉपर्टी डील, डिजिटल डेटा आदि जब्त किया

अधिशाषी अभियंता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की मिली थी शिकायत, पूछताछ में और भी कई खुलासे होने की आशंका है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र कुमार ने बताया कि सर्च में एक्सईएन के यहां कई एग्रीकल्चर जमीनों के भी दस्तावेज भी मिले हैं। मीणा ने विदेश यात्राओं और महंगी होटलों में रुकने में करीब 45 लाख रुपए भी खर्च किए हैं। साथ ही एक्सईएन ने जयपुर के अलावा दौसा में भी जमीनों में इन्वेस्ट किया है। उसने लालसोट में एक लग्जरी फार्म हाउस भी बना रखा है। आरोपी और परिवारजनों के करीब 19 बैंकों में खाते हैं जिन से करोड़ों का लेनदेन हुआ है। एक्सईएन ने सरकारी नौकरी में आने से अब तक करीब चार करोड रुपए की प्रॉपर्टी जमा की है। जो कि जो कि उनकी आय से करीब 200 प्रतिशत अधिक है। फिलहाल आरोपी एक्सईएन से उसके जगतपुरा स्थित घर पर पूछताछ की जा रही है और पूछताछ में और भी कई खुलासे हो सकते हैं।

कुमार ने बताया कि आरोपित हरिप्रसाद मीणा की आय, पद और उनके द्वारा अर्जित संपत्तियों के बीच बड़ा असंतुलन है। सभी दस्तावेजों की जांच जारी है। बहुत जल्द आय से अधिक संपत्ति का पूरा मूल्यांकन कर केस दर्ज किया जाएगा। यदि जांच में संपत्तियों की पुष्टि होती है और स्त्रोतों का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता तो एसीबी जल्द ही मीणा की गिरफ्तारी कर सकती है।

भारत निर्वाचन आयोग के प्रशिक्षण कार्यक्रम ने गति पकड़ी

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने देश भर में जमीनी स्तर तक चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की क्षमता वृद्धि के लिए उन्हें प्रशिक्षित करने के व्यापक अभियान की शुरुआत कर दी है। इस क्रम में आयोग के प्रशिक्षण संस्थान इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल के 231 चुनाव अधिकारियों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को आरम्भ हुआ। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनावी प्रक्रिया में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी।

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती में बोनस अंक का लाभ नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तकनीकी शिक्षा विभाग में कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में अनुभव के आधार पर बोनस अंक का लाभ नहीं देने पर राज्य सरकार, तकनीकी शिक्षा विभाग और कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश किशोर कुमावत व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रघुनंदन शर्मा ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 11 मार्च, 2024 को तकनीकी शिक्षा के 13 ट्रेड के लिए 1821 पदों पर भर्ती निकाली। भर्ती में अनुभव के आधार पर बोनस अंक देने का प्रावधान ही नहीं रखा गया है। जबकि याचिकाकर्ता लंबे समय से तकनीकी शिक्षा विभाग में गेस्ट फैकल्टी और संविदा पर काम कर रहे हैं। याचिका में कहा गया कि चिकित्सा और शिक्षा सहित अन्य विभागों की भर्तियों में अनुभव के आधार पर बोनस अंक देने का प्रावधान है। इसके बावजूद इस भर्ती में याचिकाकर्ताओं को बोनस का लाभ नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को बोनस अंकों का लाभ दिया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

अनुभव प्रमाण पत्र की जांच कर नियुक्ति देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सा विभाग को कहा है कि वह नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में याचिकाकर्ताओं के अनुभव प्रमाण पत्र की जांच कर उन्हें समस्त परिलाभ सहित नियुक्ति दे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश धीरज शर्मा सहित करीब दो दर्जन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में आवेदन किया था। उनके पास विभाग की ओर से जारी अनुभव प्रमाण पत्र भी है। वहीं विभाग की ओर से जारी अंतरिम चयन सूची में याचिकाकर्ताओं को शामिल किया गया, लेकिन बाद में अंतिम मेरिट लिस्ट से उनका नाम हटा दिया गया।

सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी का भाव ही भारत माता की सच्ची सेवा : निम्बाराम

जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आज इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान जयपुर में संपन्न हुई। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं मां भारती के चित्रों के समक्ष माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ।

संगठन के प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा ने बताया कि बैठक में तीन सत्र आयोजित हुए। प्रथम सत्र में संगठनात्मक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की चर्चा, समीक्षा तथा आगामी सत्र के लिए निर्धारित पंचांग की जानकारी दी गई। द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम का पाथेय प्राप्त हुआ एवं तृतीय सत्र में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का उद्बोधन हुआ।

प्रथम सत्र में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने सभी कार्यकर्ताओं को नववर्ष 2082 की मंगलमय शुभकामनाओं के साथ पिछले वर्ष 225637 सदस्यता के कीर्तिमान स्थापित करने के लिए एवं पिछले सत्र के प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम, महिला विचार गोष्ठियों में 10 हजार से अधिक महिला शिक्षकों की सहभागिता, अभ्यास वर्गों के आयोजन की अभूतपूर्व सफलता के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने 14 अप्रैल को समरसता दिवस एवं 18 जुलाई को गुरु वंदन कार्यक्रम पर प्रत्येक उप शाखा के प्रत्येक पीईईओ स्तर पर विचार गोष्ठी के आयोजन की बात रखी। उन्होंने सदस्यता अभियान के पूर्ण कार्यक्रम को विस्तार से कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा एवं इस बार सदस्यता 3 लाख पार करने की बात कही। उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान 1 मई से 14 मई के मध्य चलेगा।

प्रदेश संगठन मंत्री घनश्याम ने कार्यकर्ताओं से समय का पालन करने और सदस्यता अभियान में संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि हमें संगठन के कार्यों को पूर्ण करने के साथ-साथ शिक्षक के रूप में भी विद्यार्थियों और समाज के प्रति अपने दायित्व को शत प्रतिशत पूर्ण करना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से अध्यापन के साथ-साथ विद्यार्थियों के पंचकोषीय मन, शरीर, आत्मा, बुद्धि और वृत्ति के विकास की बात कही।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि आज हमारे समाज के प्रत्येक कार्य में पुरुष एवं महिलाओं दोनों का समान योगदान है। अत: संगठन की प्रत्येक इकाई में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं से सदैव सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी का भाव मन में रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि शिक्षक संघ राष्ट्रीय सबसे बड़ा ही नहीं बल्कि एक जीवंत और सतत संगठन है। अत: हमारी सोच सबको साथ लेकर चलने वाली होनी चाहिए। संगठन में प्रत्येक स्तर पर उचित सामाजिक प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

- राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) प्रदेश कार्यकारिणी बैठक जयपुर में संपन्न

प्रेम संबंधों में बाधा बन रहे पति की पत्नी ने अपने प्रेमी से हत्या करवाई थी

मस्तान हत्याकांड का पर्दाफाश, मृतक की पत्नी व उसके विकलांग प्रेमी को गिरफ्तार किया

अजमेर, (कासं)। अपनी ही प्रेम कहानी में बाधा बन रहे खुद के पति को पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या करने का षडयंत्र रचा। साजिश के तहत पत्नी के प्रेमी ने पहले तो मस्तान को शराब का सेवन करवाया और अधिक नशे में होने के बाद छुरी से मस्तान का गला रेत कर अपने घर चला गया। मस्तान नशे में धुत्त होने के कारण बशीर से संघर्ष भी नहीं कर पाया। इस मामले का गुरूवार को अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने खुलासा करते हुए बताया कि मृतक की पत्नी जनता व उसके प्रेमी बशीर को गिरफ्तार किया है।

मस्तान हत्याकांड का पर्दाफास कर पुलिस ने महिला व उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया।

- आरोपी दिव्यांग बशीर ने पहले मस्तान को शराब पिलाई और फिर छुरी से गला रेत डाला

जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने मस्तान हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए बताया कि 8 अप्रेल को नसीराबाद सदर पुलिस थाने पर सूचना मिली थी कि हाउसिंग बोर्ड से आगे राजोसी रोड़ पर एक डेड बॉडी पड़ी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की तो मृतक की पहचान मस्तान पुत्र दिलावर चीता निवासी नाडी का बाड़िया राजोसी के रूप में हुई, जहां मृतक के छोटे भाई घीसा ने चीर घर नसीराबाद पर ही एक रिपोर्ट जनता व जनता के प्रेमी बंशीर के खिलाफ प्रेम संबंधों के चलते मस्तान की हत्या करने की संभावना जता हुए दी, जहां एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एएसपी केकड़ी सोराजमल व डिप्टी जरनैल सिंह के निर्देशन में टीमों का गठन किया, जहां पुलिस टीम ने मृतक की पत्नी जनता व उसके प्रेमी बशीर को गिरफ्तार कर पूछताछ की जहां उन्होंने हत्या की वारदात को अंजाम देना कबूल किया।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि मृतक की पत्नी जनता व उसके प्रेमी बशीर से अलग-अलग व एक साथ की गयी पूछताछ से यह खुलासा हुआ कि मृतक मस्तान की पत्नी का जनता है, जिसका जनता का पिछले एक साल से बशीर पुत्र रामा चीता निवासी डूंगाजी का बाड़िया राजोसी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है, जिसके चलते बशीर अपनी प्रेमिका जनता से मिलने व उसके साथ रहने में मृतक मस्तान रोडा बन रहा था, जिस कारण से मृतक की पत्नी जनता व उसके प्रेमी बशीर ने मिलकर मस्तान की हत्या करने की योजना तैयार करने लगे। पूर्व में थाना नसीराबाद सदर, पर मृतक की पत्नी जनता ने स्वयं के साथ मैट रणजीत व अन्य द्वारा मारपीट करने के प्रकरण दर्ज करवा रखा था, जिस कारण से जनता के परिवार व रणजीत के बीच में रंजिश हो गई थी, तो बशीर व मृतक की पत्नी जनता ने यह तय किया कि रणजीत से जनता के परिवार को जान-माल का खतरा होने की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करेंगे और मस्तान की हत्या होती है तो सीधा सीधा शक रणजीत पर जायेगा तो अपने पर कोई आंच नहीं आएगी।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि इस प्रकार से अभियुक्त बशीर व मृतक की पत्नी जनता से षडयन्त्रपूर्वक योजना तैयार की, लेकिन अभियुक्त बशीर विकलांग होने से अकेले मारने में डर लग रहा था, जिस कारण से बशीर व मृतक की पत्नी जनता ने मृतक मस्तान की हत्या शराब पिलाकर नशे में होने के बाद हत्या करने की साजिश रची। मृतक की पत्नी जनता व बशीर ने साजिश के तहत 7 अप्रैल को मुताबिक योजना के मृतक मस्तान शाम के समय मजदूरी कर अपने घर आया तो मृतक की पत्नी जनता ने मृतक को बशीर के साथ शराब पार्टी करने व पैसों की जरूरत होने पर बशीर द्वारा देने की बात कहकर उसके साथ जाने के लिये तैयार कर दिया तथा जनता ने अपने पति मस्तान के घर पर आने व बशीर के साथ जाने के लिये रवाना करने की सूचना बशीर को दी। जिसके बाद मृतक मस्तान व बशीर दोनो आपस में मिले और घटना स्थल हाउसिंग बोर्ड के सामने खण्डर पडे एम एच क्वार्टर के पास आये, जहाँ पर बशीर ने योजना के अनुरूप मृतक से शराब का पव्वा व बीयर की बोतल मंगवायी और आमने-सामने बैठकर शराब पीने लगे, मृतक मस्तान के द्वारा देशी पव्वा पीने के बाद बशीर ने योजनाबद्ध तरीके से आधी बीयर पीकर शेष बीयर भी मस्तान को ही पिलाई। इसके बाद मस्तान नशे में होने के बाद मौका पाकर बशीर ने अपनी जेब से छुरी निकालकर गला रेत दिया और हत्या कर दी।

मृतक मस्तान शराब के नशे में होने से ज्यादा संघर्ष नहीं कर पाया, जिसके बाद योजनाबद्ध तरीके से अपनी चार पहियों की स्कूटी लेकर घर चला गया, जिस पर बशीर व जनता को 9 अप्रैल 2025 को पुलिस थाना नसीराबाद सदर जिला अजमेर द्वारा दस्तयाब किया और हत्या के मामले का खुलासा किया गया।

तस्करी का आरोपी जमानत मिलने के बाद फरार

तस्करी के आरोपी को जानते नहीं थे, दे दी जमानत, दोनों जमानतियों को सिविल कैद

श्रीगंगानगर, (निसं)। न्यायालय के सामने एक अजीब तरह का मामला सामने आया है। मादक पदार्थ तस्करी का आरोपी जमानत मिलने के बाद फरार हो गया है। जिन्होंने जमानत दी, वे आरोपी को जानते तक नहीं लेकिन किसी के कहने पर एक-एक लाख रुपए की जमानत मुचलके देकर आरोपी को न्यायिक हिरासत से बाहर निकलवा दिया। जिस जमीन के जमानत के तौर पर कागज दिए गए, वह बैंक के पास रहन पड़ी है। इस कारण दोनों जमानतियों को एक-एक माह की सिविल जेल की सजा सुनाई गई है। यह मामला मादक पदार्थ तस्करी के मामलों की विशेष कोर्ट का है।

न्यायाधीश अजयकुमार भोजक ने चार बी बड़ी के वार्ड तीन निवासी बसंतसिंह पुत्र इंद्रसिंह रायसिख और एक सी बड़ी के वार्ड 7 निवासी ज्वालासिंह पुत्र मोहनसिंह रायसिख को सिविल कैद की सजा सुनाई है। न्यायालय के एसपीपी विजेंद्र घिंटाला ने बताया कि रविदास नाम के व्यक्ति को मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इन दोनों व्यक्तियों ने रविदास की एक-एक लाख रुपए की जमानत के तौर पर अपनी जमीन के कागजात पेश किए थे। इस पर न्यायालय ने आरोपी रविदास को जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद से आरोपी रविदास फरार हो गया और तारीख पेशी पर अदालत में उपस्थित ही नहीं हुआ। इस पर न्यायालय ने दोनों जमानतियों को तलब किया लेकिन ये भी अदालत में पेश नहीं हो रहे थे।

अदालत के आदेश पर दोनों जमानतियों को हिंदुमलकोट थाने के कांस्टेबल खेतपाल ने डिटेन कर 5 अप्रैल को न्यायालय में पेश किया। जमानतियों ने अदालत में स्वीकार किया कि वे आरोपी रविदास को जानते ही नहीं इसलिए उसको अदालत के सामने पेश नहीं कर सकते। उन्होंने किसी के कहने पर रविदास की जमानत दी थी। न्यायालय ने जमानतियों की जमीन की कुर्की कर एक-एक लाख रुपए की दी गई जमानत रकम जब्त करने को कागजात की जांच करवाई। तब सामने आया उक्त दोनों जमानतियों की जमानत के समय दिखाए गए कागजात वाली जमीन कालियां के एसबीआई बैंक के पास रहन पड़ी है। इस कारण न्यायालय उक्त जमीन की कुर्की नियमानुसार नहीं करवा सकता। इस पर दोनों जमानतियों को ही एक-एक माह के लिए सिविल कैद की सजा सुनाकर केंद्रीय कारागृह भिजवा दिया है।

आग से छप्पर जलकर राख, एक लाख से अधिक का नुकसान

नारायणपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत चांदपुरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम राजपुरा सिक्ख में गुरुवार दोपहर बाद अज्ञात कारणों से लगी आग ने एक कच्चे छप्पर को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया। घटना में लाखों रुपए का घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

राजपुरा सिक्ख निवासी मनोहर बलाई पुत्र गणपत राम के कच्चे छप्पर में अचानक आग लग गई। आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बिना देर किए आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। महिला, पुरुष और बच्चों ने करीब दो घंटे तक लगातार पानी और रेत डालकर आग पर काबू पाया। सूचना मिलते ही हल्का पटवारी राजेश गुर्जर और स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पटवारी द्वारा तैयार की गई मौका रिपोर्ट के अनुसार आग से करीब 1 लाख 34 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

तेजी से बढ़ती गर्मी के कारण बीमार पड़ रहे लोग

जयपुर, (कासं)। राजधानी जयपुर में बढ़ती गर्मी के साथ ही सवाई मानसिंह अस्पताल में मरीजों की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। मौसम में बदलाव के चलते मौसमी बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की संख्या बढ़ रही है। स्थिति ये है कि रोजाना 10 हजार से ज्यादा मरीज अस्पताल की ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इनमें ज्यादातर मरीज स्किन व आंख में एलर्जी, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, बुखार, डायरिया, जुकाम समेत कई बीमारियों से ग्रस्त हैं।

- सवाई मानसिंह अस्पताल में रोजाना 10 हजार मरीज पहुंच रहे
- अप्रेल माह में 40 डिग्री तापमान पहुंचा, बीमारियों के चलते ओपीडी में लंबी कतारें लग रही

एसएमएस अस्पताल की ओपीडी में अप्रैल के पहले सप्ताह में ये आंकडा 10 हजार पार पहुंच गया है। हालांकि पिछले साल अप्रेल की तुलना में ये कुछ कम ही है। इधर, लू-तापघात व मौसमी बीमारियों को लेकर चिकित्सा विभाग ने हाल ही बैठक लेकर अलर्ट जारी किया था। इस संबंध में स्वास्थ्य भवन में बैठक भी हुई थी। इसमें चिकित्सा संस्थानों में जांच, उपचार के साथ ही छाया-पानी के माकूल इंतजाम करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही पंखे, कूलर, एसी की जरूरत के अनुसार खरीद और मेंटीनेंस के भी निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद फिलहाल अभी इन संसाधनों के मेंटीनेंस का काम ही चल रहा है। अप्रैल माह के पहले सप्ताह से ही गर्मी के बढ़ते तापमान ने लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डाला है। ओपीडी में सर्वाधिक केस मौसम के बदलाव से हुए वायरल,सिरदर्द, बुखार, डायरिया, जुकाम के आ रहे हैं। अप्रेल में पहले सप्ताह की बात करे तो ओपीडी में 1 अप्रेल को 7400, 2 अप्रेल को 8621, 3 अप्रेल को 9123, 4 अप्रेल को 9852 वहीं 5 अप्रेल को मरीजों का आंकडा 9026 रहा। इसके बाद 7,8 व 9 अप्रेल को यह आंकडा 10 हजार पार पहुंच गया। एसएमएस अस्पताल के स्कीन स्पेशलिस्ट डॉ. अंशुल माहेश्वरी ने बताया कि तापमान बढने के साथ ही शरीर में रुखेपन की समस्या बढना आम है। इन दिनों ऐसे मरीजों की संख्या में काफी बढोतरी देखी गई है।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने धोखाधड़ी एवं चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 23 मार्च को हेमन्त गौड़ पुत्र जगदीश चन्द्र गौड़ ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मैं कंस्ट्रक्शन का काम करता हूं तथा मनवाखेड़ा में रामेश्वर अपार्टमेंट निर्माण का काम चल रहा है। चार वर्ष से प्रवीणसिंह पुत्र लक्ष्मणसिंह निवासी गुप्तेश्वर नगर सेक्टर 7 सविना सुपरवाइजर के रूप में काम कर रहा है। दो वर्ष से स्वास्थ्य खराब होने से मैं अपनी साइड पर नहीं गया। इस दौरान आरोपी प्रवीणसिंह ने साथी किशन व मनीष के साथ मिल कर माल मटेरियल सहित करीब 40 लाख का माल चुरा ले गए।प्रकरण दर्ज होने पर हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने प्रवीणसिंह पुत्र लक्ष्मणसिंह को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की।

व्यक्ति का अश्लील वीडियो बना महिला ने ब्लैकमेल किया

बीकानेर, (निसं)। जिले के बज्जू में एक व्यक्ति के अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर हनी ट्रैप का मामला सामने आया है। बज्जू में एक शख्स को धोखे से घर बुलाकर महिला ने उसके साथ अश्लील फोटो खींच ली और वीडियो बना लिया। इसे वायरल करने और दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर महिला ने उस व्यक्ति को हनी ट्रैप किया।

- महिला ने दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी दी, मामला दर्ज

महिला ने उस शख्स को ब्लैकमेल किया और उससे रुपए ऐंठने का प्रयास करने लगी। परेशान होकर उस व्यक्ति ने बज्जू पुलिस थाने में केस दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वह अपने गांव में स्कूल का संचालन करता है। दूर-दराज से आने वाले छात्रों को ठहराने के लिए उसे मकान की आवश्यकता थी। उसने जुलाई, 2023 में 1.10 लाख रुपए प्रति सत्र एक मकान किराये पर लिया। एक मई, 2024 को मकान की चाबी वापस सौंप दी। उसके बाद मकान मालिक की पत्नी उससे मिली और शिकायत की कि छात्रों ने उसके मकान की खिड़की, दरवाजे और जालियां तोड़ दी। उसने कोटा में नीट की तैयारी कर रही बेटी को तनाव देने की धमकी दी और अपने घर बुलाया। डर के कारण वह अक्टूबर, 2024 में महिला के घर गया तो उसने अपने कपड़े उतार दिए और बलात्कार का आरोप लगाने की धमकी दी। उसने धमकाया और अश्लील फोटो और वीडियो बना लिया। जेब से 20 हजार रुपए भी निकाल लिए। बाद में महिला ब्लैकमेल करने लगी और घर में बाथरूम और फर्नीचर का काम करवाने का दबाव डालने लगी। वह बार-बार फोन कर टार्चर करने लगी। आरोप है कि पीड़ित की बेटी से मारपीट भी की। बज्जू थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है जिसकी जांच एएसआई प्रेमसिंह को सौंपी गई है। पीड़ित व्यक्ति की ओर से महिला का ऑडियो भी पुलिस को सौंपा गया है जिसमें वह धमकाकर बाथरूम और फर्नीचर का काम करवाने के लिए दबाव डाल रही है।

सुरक्षा गार्ड ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में सुरक्षा गार्ड ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेडली टाटगढ़ जिला ब्यावर हॉल रेबारियों का गुड़ा आपणी ढाणी निवासी दाउसिंह पुत्र वरदीसिंह ने अपने मकान में फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर परिजन फंदे से नीचे उतार कर उसे चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर प्रतापनगर थाना एसआई अशोक कुमारसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

दाउसिंह निजी चिकित्सालय में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करता था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

फोटो प्रदर्शनी में दिखा जवाहर कला केन्द्र का 32 वर्ष का सफरनामा

जयपुर। जवाहर कला केंद्र के 32वें स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत तीन दिन से सुरेख व सुकृति कला दीर्घा में चल रही फोटो प्रदर्शनी में जेकेके के अब तक के सफर को दर्शाया गया। स्थापना के बाद से देश के कलाकारों ने केंद्र में विभिन्न कार्यक्रमो में शिरकत की है जिन्हें फोटो में देखकर लोगों ने अपनी यादें ताजा की। केंद्र में इतने सालों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों के फोटोज से केंद्र का गौरवशाली इतिहास जीवन्त हो उठा। केंद्र का तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को सम्पन्न हुआ। तीन दिन में केंद्र परिसर ग्रैमी अवॉर्ड विजेता पं.विश्वमोहन भट्ट, पद्मश्री से सम्मानित कलाकार अनवर खां मांगणियार, तंत्री सम्राट पं. सलिल भट्ट की प्रस्तुतियों के साथ ही 100 से लोक वाद्य वादन के कार्यक्रम में राजस्थानी संस्कृति के अद्भुत रंगों का साक्षी बना।

दो अलग-अलग हादसों में एक की मौत, एक घायल

निवाई, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर मूडिया मोड़ के पास गुरुवार को सुबह दो मोटरसाइकिल की टक्कर में एक जना गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की उपचार के दौरान मौत हो गई।

- अन्य मोटरसाइकिल चालक मौके से फरार हुआ, तलाश जारी

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि गुरुवार सुबह गांव बलूंदा थाना घाड निवासी रामनिवास पुत्र हुकमचंद रैगर अपने पुत्र रवि के साथ मोटरसाइकिल से जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मूंडिया मोड़ के पास उनकी मोटरसाइकिल की एक अन्य मोटरसाइकिल से भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में वह गंभीर घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना पर चौकी प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और घायल को थाना मोबाइल वाहन से राजकीय सामुदायिक अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी चिंताजनक हालत होने पर चिकित्सकों ने जयपुर रेफर कर दिया। जयपुर में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि अन्य मोटरसाइकिल चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार महावीर ढाबे के समीप दो मोटरसाईकिलों में भिडन्त हो गई। जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि नोरा की ढाणी तुर्किया निवासी रेवडमल पुत्र धन्नालाल मीणा मोटरसाइकिल से निवाई आ रहा था। इसी दौरान महावीर ढाबे के सामने एक मोटरसाइकिल चालक ने उसके टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उप जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। जिसकी चिन्ताजनक स्थिति होने पर चिकित्सकों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत, छह घायल

टोंक, (निसं)। दतवास थाना क्षेत्र के कौथून स्टेट हाइवे पर सड़क हादसे में कार में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, वहीं छह लोग घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है।

- घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया

मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि बजरी से भरे डंपर ने स्कॉर्पियो कार को टक्कर मार दी, उसके बाद ड्राइवर डंपर लेकर भाग छूटा, हालांकि पुलिस इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो तथ्य निकलकर सामने आएंगे, उसी अनुरूप आगे की कार्यवाही की जाएगी।

दतवास थाना प्रभारी कालूराम ने बताया कि दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र के तलाव गांव के रहने वाले मुस्लिम परिवार के महिला-पुरुष बुधवार को स्कॉर्पियो कार से टोंक में रिश्तेदार के शादी समारोह में आए थे, शादी में शामिल होने के बाद बुधवार रात को गांव के लिए रवाना हो गए, इस दौरान करीब 11.30 बजे पुलिस को सूचना मिली, जहां पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को चाकसू अस्पताल पहुंचाया। हादसे के दौरान मुमताज बानो पत्नी छुट्टन मोहम्मद पिनारा व अफरोज पत्नी शाहरुख को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, पुलिस ने इनके शव मॉर्च्युरी में रखवाए। वहीं छह घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया।

ग्वार चोरी करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

गैंग के साथ मिलकर ग्वार के 220 कट्टे चोरी किए थे

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने पपुरना में हुई चोरी का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपनी गैंग के साथ मिलकर ग्वार के 220 कट्टे चोरी कर ले गए थे।

पुलिस ने ग्वार चोरी का खुलासा कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी गोपाललाल जांगिड़ ने बताया कि 28 फरवरी को पपुरना निवासी रवि गुप्ता ने रिपोर्ट दी कि करमाडी से खेतड़ी जाने वाली सड़क पर सैनी धर्मशाला के पास उसका मकान है, जिससे 220 कट्टे ग्वार के रखे हुए थे। जब वह मकान को संभालने के लिए गया तो उसका ताला टूटा हुआ था। जब उसने अंदर जाकर देखा तो उसमें रखे ग्वार के कट्टे गायब मिले। इस दौरान आसपास के लोगों से पूछा तो कोई सूचना नहीं लग पाई। इस दौरान उसने अज्ञात लोगों के खिलाफ ताला तोड़कर ग्वार चोरी करने का मामला दर्ज करवाया। थाने में मामला दर्ज होने के बाद एसपी शरद चौधरी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाधिकारी गोपाल लाल के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस की टीमों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तथा वांछित अपराधियों से पूछताछ की गई। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली की ग्वार चोरी के मामले में ढाणी नौलखा तन अजीतगढ़ निवासी दीपक मीणा उर्फ दीपू महाराज को हिरासत में लेकर पुछताछ की तो उसने गैंग के साथ मिलकर चोरी करने की वारदात को कबूल कर लिया। जिस पर पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए दीपक मीणा उर्फ दीपू महाराज पुत्र पुरणमल को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया गिरफ्तार आरोपी से वारदात में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी के खिलाफ अजीतगढ़, नवलगढ़, भांकरोटा, खेतड़ी थानों में मारपीट, आर्म्स एक्ट, चोरी के पांच मामले दर्ज हैं। इस दौरान टीम में थानाधिकारी गोपाल लाल, एचसी दिनेश कुमार, संदीप कुमार, कांस्टेबल बलवीर, भरतलाल, महेश कुमार, पंकज आदि शामिल थे।

लूट की वारदात का राजफाश, पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर एक निजी फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में लूट की वारदात का पुलिस ने राजफाश कर दिया है। वहीं वारदात में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों पर 20 हजार रूपए का इनाम घोषित कर रखा था।

शहर कोतवाल हरजिन्दर सिंह ने बताया कि पिछले महीने ही 25 मार्च को झुंझुनूं शहर के भारत फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में अज्ञात तीन बदमाश हथियार के साथ घुस गए थे, जिन्होंने कार्यालय में बैठे कर्मचारी को बंदूक दिखाई और उससे कार्यालय में रखी तिजोरी की चाबी मांगी, लेकिन चाबी नहीं मिली। जिसके बाद आरोपियों ने कंपनी के कर्मचारी के साथ ही लूट की वारदात कर डाली। उसके गले से सोने की चैन तोड़ ली और कार्यालय के बाहर खड़ी उसकी बाइक ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जिसके बाद ना केवल घटना स्थल, बल्कि झुंझुनूं शहर, फतेहपुर और सरदारशहर समेत गंगानगर तक के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। जिसके बाद आरोपियों की पहचान की गई।

लूट के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

- हथियार की नोक पर फाइनेंस कंपनी में लूट की वारदात को अंजाम दिया था
- पुलिस ने आरोपियों पर 20 हजार रूपए का इनाम घोषित कर रखा था

पुलिस ने श्रीगंगानगर जिले के रावला थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर चक 10 डीओएल निवासी अमरसिंह जीत सिंह पुत्र करनैल सिंह, इसी थाना क्षेत्र के शेखड़ा निवासी मोहम्मद अली पुत्र नूर मोहम्मद तथा शेखड़ा निवासी अनिल पुत्र रामचंद्र विश्नोई को गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि वारदात करने के पीछे मास्टरमाइंड रावला थाना क्षेत्र का ही मंथन था, जो तीन-चार साल पहले इस फाइनेंस कंपनी में कर्मचारी था, जिसे इस कंपनी के कार्यालय के अलावा यहां की हर चीज की जानकारी थी। उसने ही अपने साथियों के साथ फाइनेंस कंपनी कार्यालय में लूट की योजना बनाई। हालांकि मंथन अभी पुलिस की पकड़ से दूर है, लेकिन पुलिस टीमें लगी हुई है। पुलिस ने अमरजीत सिंह तथा मोहम्मद अली को बापर्दा गिरफ्तार किया है। दोनों लूट की वारदात में शामिल थे। वहीं अनिल विश्नोई ने लूट की वारदात के लिए आरोपियों को हथियार उपलब्ध करवाया था। पुलिस ने इस मामले में लूटी गई बाइक बरामद कर ली है। वहीं हथियार बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मुख्य मास्टरमाइंड की भी तलाश की जा रही है। शहर कोतवाल हरजिन्दर सिंह ने बताया कि पुलिस ने तकनीक का उपयोग करते हुए आरोपियों को धर दबोचा है।

मैं चाहता हूं कि वो खुश और स्वस्थ रहे। मैं उसे अब भी हर तीन या चार दिन में मैसेज करता हूं। उसने मुझे ब्लॉक कर रखा है फिर भी। मुझे उम्मीद नहीं है कि वो उन मैसेज को पढ़ेगा। - शिखर धवन

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, एक इंटरव्यू के दौरान अपने बेटे के बारे में बात करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लवलीना बोरगोहेन

टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन 70 किग्रा वर्ग में जा सकती हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए उनके मौजूदा 75 किग्रा भार वर्ग को खत्म कर दिया है। आईओसी ने बुधवार को ओलंपिक 2028 के लिए कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा की घोषणा की। नए बदलाव के कारण लवलीना को या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में अपना भाग्य आजमाना होगा।

क्या आप जानते हैं ?... मुहम्मद शालेल ने 30 सेकंड में 10 नटमेग करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

ओलंपिक क्रिकेट में पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें लेंगी हिस्सा

दुबई, 10 अप्रैल। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में शामिल की गई क्रिकेट प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग की छह -छह टीमें हिस्सा लेंगी । बुधवार को जारी आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में होने वाले क्रिकेट मुकाबलों के लिए प्रत्येक श्रेणी के लिए कुल 90 एथलीट का कोटा निर्धारित किया गया है। प्रत्येक टीम में 15 सदस्यी होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सुझाव दिया था कि लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में शामिल होने वाली छह टीमों का चयन टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग की एक कट-ऑफ तारीख के आधार पर किया जाए। हालांकि अभी तक इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन इस वर्ष इसके तय होने की उम्मीद है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर अमेरिका मेजबान देश होने के नाते सीधे क्वालीफाई करता है, तो क्वालिफाई के लिए उपलब्ध स्लॉट की संख्या कम हो जाएगी। इसके अलावा यह सवाल भी बना हुआ है कि वेस्टइंडीज की ओर से कौन प्रतिनिधित्व करेगा, क्योंकि कैरेबियाई द्वीप ओलंपिक खेलों (और राष्ट्रमंडल खेलों में भी) अलग-अलग देशों के रूप में भाग लेते हैं। उल्लेखनीय है कि क्रिकेट की ओलंपिक खेलों में वापसी को अक्टूबर 2023 में मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्यों द्वारा स्वीकृति दी गई थी। इससे पहले वर्ष 1900 के पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट खेला गया था।

विनेश फोगाट ने सरकारी नौकरी को छोड़ 4 करोड़ के कैश प्राइज को चुना, हरियाणा सरकार ने दिया था ऑप्शन

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। पेरिस ओलंपिक 2024 में सुर्खियों में रहीं भारतीय पहलवान विनेश फोगाट पर बड़ा खुलासा हुआ है। ओलंपिक्स से डिसक्वालीफिकेशन विवाद के बाद विनेश ने कुश्ती से संन्यास का निर्णय लेकर सभी को चौंका दिया। उसके बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से दावेदारी पेश कर जुलाना से सीट पर चुनाव लड़कर जीत हासिल की। हाल ही में हरियाणा सरकार ने उनके सामने तीन ऑप्शन रखे थे, अब अपडेट आया है कि विनेश ने एक विकल्प का चयन कर लिया है।विनेश फोगाट ने 4 करोड़ रुपये कैश अवॉर्ड के विकल्प का चयन किया है। इस सबंध में हरियाणा सरकार में खेल विभाग को पत्र भेज दिया गया है, जिसके बाद आगे की कार्यवाई की जाएगी। दैनिक भास्कर में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, जुलाना सीट से विधायक विनेश फोगाट ने पिछले महीने बजट सत्र में इस मुद्दे को उठाया था। विनेश का कहना था कि, सरकार ने उन्हें ओलंपिक्स में सिल्वर मेडल के बराबर सम्मान की घोषणा तो कर दी, लेकिन 8 महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें सम्मानित नहीं किया गया है। वहीं विनेश की मांग पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने जवाब में कहा था कि विनेश अब कांग्रेस की विधायक हैं, फिर भी उन्हें सरकार नौकरी, एक प्लॉट या फिर 4 करोड़ रुपये के कैश प्राइज का विकल्प दिया जाएगा। दैनिक भास्कर के मुताबिक, इसके जवाब में विनेश ने 4 करोड़ का कैश प्राइज पर सहमति जताई है।

अंक और आत्मविश्वास के लिए केकेआर और सीएसके में होगी जंग

चेन्नई, 10 अप्रैल। लगातार चार हार से जूझ रही चेन्नई सुपर किंग्स, चेपक में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने आईपीएल 2025 अभियान को पुनर्जीवित करने की प्रयास करेगी, वहीं केकेआर को पिछली हार को भूलाकर अंक और आत्मविश्वास के लिए करनी होगी जंग। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सत्र में पांच मैचों में से केवल एक जीत के साथ केकेआर अंक तालिका में नौवें स्थान पर हैं। एमए चिदंबरम स्टेडियम में उनके प्रसिद्ध किले को इस सीजन में पहले ही दो बार तोड़ा जा चुका है और एक और हार सीएसके को गहरे संकट में डाल सकती है। गेंदबाजी में खलील अहमद और नूर अहमद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 10 और 11 विकेट चटकाए हैं, लेकिन रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी गेंदबाजों ने धीमी और टर्निंग पिचों पर अपना दबदबा कायम नहीं रखा है। इस बीच, कोलकाता की टीम भी कुछ खास नहीं कर पाई है, लेकिन राजस्थान से चार रन से मिली हार के बावजूद उसने जोश से भरा प्रदर्शन किया है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की 61 रनों की पारी, रिंकू सिंह की आखिरी ओवरों की आतिशी पारी और सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी ने चेपक जैसी सतह पर उन्हें मजबूत स्थिति में रखा है।

राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 10 अप्रैल। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ द्वारा दिनांक 10 से 13 अप्रैल 2025 को जोधपुर में चैनपुरा इंडोर स्टेडियम जोधपुर में आयोजित राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता का आज शुभारम्भ किया गया इस अवसर पर आयोजन के मुख्य अतिथि पुष्पा कँवर सिसोदिया (वरिष्ट आर ए एस) उपायुक्त नगर निगम जोधपुर (दक्षिण), विशिष्ट अतिथि तारा चौधरी, जिला खेल अधिकारी चैनपुरा इंडोर स्टेडियम जोधपुर व अलका कविया,उप प्रधानाचार्या, महात्मागांधी विद्यालय चैनपुरा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. शक्ति सिंह रावलोत ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 17 जिलों के 218 महिला व पुरुष जिमनास्ट भाग ले रहे है, इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय योग्यता प्राप्त निर्णायक, अधिकारीगण आदि अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर रहे है। परमेश्वर प्रजापत सचिव राज्य संघ के अनुसार आज खेल के प्रथम दिन पुरुष व महिला आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स के सीनियर व जूनियर वर्ग की टीम प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी,जिसमें फ्लोर, वॉल्ट एवं पोमेल होर्स की प्रतिस्पर्धाएँ हुई।

आईपीएल 2025 के घरेलू चरण की शुरुआत करने के लिए राजस्थान रॉयल्स जयपुर पहुंचे

राजस्थान रॉयल्स की टीम आज आईपीएल 2025 के अपने घरेलू चरण से पहले जयपुर पहुंची, जहां एयरपोर्ट पर प्रशंसकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। शहर में उत्साह चरम पर था क्योंकि समर्थक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे। रॉयल्स इस सीजन में सवाई मानसिंह स्टेडियम में पांच घरेलू मैच खेलने के लिए तैयार हैं, जिसकी शुरुआत 13 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले से होगी।

धीमी ओवर गति के लिए संजू पर लगा 24 लाख का जुर्माना

अहमदाबाद, 10 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान संजू सैमसन पर आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ बुधवार को खेले गये मैच में धीमी ओवर गति के लिए 24 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है। आरआर पर आईपीएल के इस सत्र में यह दूसरी बार धीमी ओवर गति के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत किसी कप्तान पर दूसरी बार ओवर-रेट का नियम तोड़ने पर 24 लाख का जुर्माना लगाया जाता है। इस सत्र से तीसरी गलती पर कप्तान को निलंबित नहीं किया जाएगा, केवल आर्थिक दंड तक ही सीमित रखा गया है। इस नियम के अनुसार मैच में खेलने वाले सभी ग्यारह खिलाड़ियों के अलावा इंपैक्ट प्लेयर भी शामिल है। इन को या तो छह लाख रूपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना अदा करना होगा। उल्लेखनीय है कि आरआर की पहली ओवर-रेट गलती चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) के खिलाफ पिछले महीने हुई थी, जब संजू सैमसन अपनी उंगली की चोट के कारण बतौर इंपैक्ट प्लेयर खेले थे और रियान पराग टीम की कप्तानी कर रहे थे। उस मैच के बाद रियान पर 24 लाख का जुर्माना लगा था।

दिल्ली कैपिटल्स ने लगाया जीत का चौका

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराया

बेंगलुरु, 10 अप्रैल। गेंदबाजों के किफायती प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (नाबाद 93) की बेहतरीन विस्फोटक पारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 24वें मुकाबले में 13 गेंदे शेष रहते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स की आईपीएल के इस सत्र में यह लगातार चौथी जीत है।

164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 30 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। फाफ डुप्लेसी (दो), जेक फ्रेजर-मक्गर्क (सात) और अभिषेक पोरेल (सात) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये केएल राहुल ने ना केवल पारी को संभाला तेजी के साथ रन भी बनाये। कप्तान अक्षर पटेल (15) चौथे विकेट के रूप में आउट हुये।

केएल राहुल ने 49 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए (नाबाद 93) रनों की मैच विजयी पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 38) रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स ने 17.5 ओवर में चार विकेट पर 169 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। केएल राहुल ने छक्का जड़ अपनी टीम को जीत दिलाई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भुवनेश्वर कुमार दो विकेट लिये।

यश दयाल और सुयश शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए फिल सॉल्ट और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। चौथे ओवर में विप्रज निगम और विकेटकीपर केएल राहुल ने फिल सॉल्ट को रनआउट कर दिया। फिल सॉल्ट ने 17 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (37)रनों की पारी खेली। छठे ओवर में मुकेश कुमार ने देवदत्त पडिक्कल (एक) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। सातवें ओवर में निगम ने विराट कोहली को आउटकर दिल्ली को तीसरी सफलता दिलाई।

जयपुर के वुशू खिलाड़ी मुकेश ने वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीत रचा इतिहास

जयपुर, 10 अप्रैल। अंतर्राष्ट्रीय वुशू महासंघ के तत्वावधान में दिनांक 06 से 10 अप्रेल 2025 तक जियांगियन, चीन में आयोजित हुई, 10वी वर्ल्ड कप वुशू प्रतियोगिता में जयपुर के मुकेश चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुये, स्वर्ण पदक जीत रचा इतिहास। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि 10वी वर्ल्ड कप वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान पुलिस में इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत व महाराणा प्रताप अवार्डी मुकेश चौधरी ने 75 किलोग्राम भारवर्ग में सेमी फ़ाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को ओर फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन इटली के खिलाड़ी को हरा कर स्वर्ण पदक जीत इतिहास रचा। मुकेश चौधरी के कोच राजेश कुमार टेलर ने बताया की राजस्थान प्रदेश व देश के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, जो उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, मुकेश चौधरी 2010 से राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् के वुशू कोच राजेश कुमार टेलर से चौगान स्टेडियम में कोचिंग ले रहे है। मुकेश ने अपनी इस उपलब्धि के श्रेय अपने माता पिता व अपने कोच राजेश कुमार टेलर को दिया। मुकेश चौधरी के स्वर्ण पदक जीतने पर भूपेन्द्र सिंह बाजवा, चेयरमैन, भारतीय वुशू संघ, जीतेन्द्र सिंह बाजवा, अध्यक्ष, भारतीय वुशू संघ, सुहेल अहमद, सीईओ, भारतीय वुशू संघ, विनोद सिंह शेखावत, मुख्यसंरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजाराम मील, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ व सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी।

अरावली क्लब व जहीरुल हसन क्लब जीते

जयपुर, 10 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल ए के मैच में जहीरुल हसन क्रिकेट क्लब ने एस जे पब्लिक स्कूल को 58 रनों से हराया। तथा अरावली क्लब ने कौशिक क्रिकेट एकेडमी को 146 रनों से हराया। जी आर ग्राउंड पर पूल ए के मैच में ज़हीरुल हसन क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सियाराम चौधरी के 10 रन, रियांश भाटिया के 20 रन, आलोक गुर्जर के 24 रन, चंदन चौधरी के 38 रन व सूर्यांश बुढ़ानिया का 25 रन रनों से 42.5 ओवर में 161 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए निशांत शर्मा ने 34 पर 2, शुभम खंडेलवाल ने 32 पर 5, रिषभ ने 23 पर 2 विकेट, कुशल अग्रवाल ने 42 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल की टीम आशीष शर्मा के 16 रन, निखिल शर्मा के 15 रन, शुभम खंडेलवाल के 17 रनों से 28.5 ओवर में 108 रन बनाकर आउट हो गई। जहीरुल हसन क्लब के लिए रुद्राक्ष परवाल ने 46 पर 4, कौस्तुब कटारिया ने 6 पर 3, प्रतीक चौधरी व चंदन चौधरी ने 1-1 विकेट लिए। दूसरे मैच में अरावली क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आर्यन भारद्वाज के 25 रन, जितेंद्र यादव के 25 रन, ओमांश शर्मा के 42 रन, देवेन्द्र शर्मा के 60 रन व हंसराज रोलानिया के 52 रनों से 50 ओवर में 9 विकेट पर 254 रन बनाए।

धोनी बने सीएसके कप्तान, चोटिल ऋतुराज आईपीएल से हुए बाहर

चेन्नई, 10 अप्रैल। ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के शेष मैचों से बाहर होने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीकेएस) को रिकॉर्ड पांच आईपीएल खिताब दिलाने वाले महेन्द्र सिंह धोनी को गुरुवार शाम को टीम का फिर से कप्तान बनाया गया। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच से पहले मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने धोनी को टीम का कप्तान बनाये जाने की घोषणा की। धोनी दो साल के अंतराल के बाद सीएसके टीम की कमान संभालेंगे। मौजूदा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को पिछले मैच में चोट लगने के कारण वे आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। धोनी एक महत्वपूर्ण चरण में कप्तान के रूप में वापसी कर रहे हैं, क्योंकि मौजूदा आईपीएल के सत्र में सीएसके अपने पांच में से चार मैच हार चुकी हैं और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की अपनी संभावनाओं को बनाए रखने के लिए उन्हें आने वाले मैचों में सुधार की जरूरत है। धोनी कल घरेलू मैच में गत चैंपियन केकेआर के खिलाफ टीम की अगुआई करेंगे।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में होगी 351 पदक स्पर्धाएं

जिनेवा, 10 अप्रैल। लॉस एंजिलस ओलंपिक 2028 में 351 पदक स्पर्धाएं आयोजित की जायेगी। जोकि पिछले पेरिस ओलंपिक की तुलना में 22 अधिक हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड (ईबी) ने बुधवार को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के लिए कार्यक्रम और एथलीट कोटा को मंजूरी दे दी है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट के अलावा चार अन्य खेलों स्क्वैश, फ्लैग फुटबॉल, बेसबॉल/सॉफ्टबॉल और लैक्रोस भी शामिल हैं। आईओसी ने कहा कि सभी टीम खेलों में महिला और पुरुषों की टीमों के बराबर होंगी, जो कि ओलंपिक इतिहास में पहली बार है। आईओसी ने कहा कि एथलीट कोटा और स्पर्धाओं की संख्या तय करते समय लैंगिक समानता को ध्यान में रखा गया। प्रारंभिक खेल कार्यक्रम में, महिला एथलीटों की संख्या 5,333 और पुरुष एथलीटों की संख्या 5,167 है। इस ओलंपिक में तीरंदाजी, एथलेटिक्स (4 गुणा100 मीटर मिश्रित रिले), गोल्फ, जिम्नास्टिक, नौकायन तटीय समुद्र तट स्प्रिंट और टेबल टेनिस में मिश्रित स्पर्धाओं का भी किया गया है। तैराकी में, 50 मीटर बैकस्ट्रोक, बटरफ्लाई और ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धाओं में पुरुष और महिला दोनों ही स्पर्धाएँ होंगी।

नौकायन में महिला एकल (सीडब्ल्यू1 एक्स), पुरुष एकल (सीएम1 एक्स) और मिश्रित युगल स्कल्स (सीएक्स2 एक्स) तटीय समुद्र तट स्प्रिंट में अपनी शुरुआत करेंगे। बास्केटबॉल 3गुणा 3 में, भाग लेने वाली टीमों को प्रत्येक वर्ग में आठ से बढ़ाकर 12 टीमें कर दिया गया है।

राजस्थान की हैप्पी कुमारी बीसीसीआई महिला अंडर-19 प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित

जयपुर, 10 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के अनुसार बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाली राजस्थान की युवा अंडर 19 महिला खिलाडी हैप्पी कुमारी का चयन बीसीसीआई महिला चयन कमेटी ने आगामी 21 अप्रैल से 15 मई 2025 के दौरान बेंगलोर शिविर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के विशेष हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण के लिए किया है।

बीसीसीआई द्वारा आगामी घरेलुक्रिकेट सत्र की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों की प्रतिभा को ओरअधिक सुदृढ़ करने हेतु सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के अंतर्गत देश के विभिन्न केंद्रों पर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस केन्दों के स्थापन की गयी है जिसमे चयनित खिलाडियों को बीसीसीआई द्वारा अनुभवी कोचों की निगरानी में रच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है।

राष्ट्रिय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा खिलाडियोंको राजस्थान क्रिकेट संघ ने हैप्पी कुमारी को दिनांक 25 मार्च 2025 को महिला अंडर 19 आयु वर्ग में आरसीए एप्रिशियेशन अवार्ड देकर सम्मानित किया था। राजस्थान की हैप्पी कुमारी को बेंगलोर के स्थित नए स्थापित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस सेंटर में विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। चयनित खिलाडी को दिनांक 20 अप्रैल को अपने प्रशिक्षण केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा।

बांग्लादेश की महिला टीम ने थाईलैंड को 178 रन से हराया

लाहौर, 10 अप्रैल। कप्तान निगार सुल्ताना (101) और शर्मिन अख्तर (नाबाद 94) की शानदार बल्लेबाजी के बाद जन्नतुल फिर्दुस तथा फहीमा खातून (पांच-पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश की महिला टीम ने गुरुवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्लीफायर मुकाबले में थाईलैंड को 178 रनों से हरा दिया हैं। 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड के बल्लेबाज बंगलादेश जन्नतुल फिर्दुस तथा फहीमा खातून के गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सके और उनकी पूरी टीम 28.5 ओवर में 93 रन के स्कोर पर ढ़ेर हो गई।

थाईलैंड के लिए चानिदा सुथिरुआंग ने सर्वाधिक 22 रनों की पारी खेली। नट्टया बूचथम (17) और नारुएमोल चाइवाई (15) रन बनाकर आउट हुई। थाईलैंड के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगलादेश की ओर से जन्नतुल फिर्दुस तथा फहीमा खातून ने पांच-पांच विकेट लिये। इससे पहले आज यहां थाईलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 के स्कोर पर इश्मा तंजीम (आठ) का विकेट गवां दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी शर्मिन अख्तर ने फरगाना हॉक के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रनों की साझेदारी हुई। 28वें ओवर में ओनिचा कामचोम्फु ने फरगाना हॉक (53) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान निगार सुल्ताना ने तेजी के साथ रन बटोरे। उन्होंने शर्मिन अख्तर के साथ तीसरे विकेट के लिए 152 रन जोड़े।

वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अगले दौर में

जयपुर, 10 अप्रैल। ओ एन दिक्षित मेमोरियल सोसायटी द्वारा आयोजित एम टी 400 वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर चैंपियनशिप के डायरेक्टर पंकज दीक्षित ने बताया कि आज देर रात तक सभी प्रीक्वार्टर फाइनल के मैच खेल जाएंगे तथा क्वार्टर फाइनल के मैच कल होंगे सुबह प्रतियोगिता शुरू होते ही पंकज दीक्षित ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका स्वागत किया सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अपने अगले दौर में पहुंच गए हैं उन्होंने बताया इस प्रतियोगिता के मुख्य स्पॉन्सर मोती संस ज्वैलर्स है। आज खेले गए एक प्रमुख मैच में जयपुर केजाने-माने टेनिस प्लेयर दिलीप शिवपुरी ने जगत सिंह राठौड़ को 6-3, 6-1 से परास्त किया तथा शेष मैचो के रिजल्ट निम्न है।

75 आयु वर्ग : गोविंद कृष्ण कुमार ने कर्नल राकेश भंडारी को 6-2, 6-2 से, शैलेंद्र खंडेलवाल को 6-3, 4-6, 10-2 से, धवल पटेल ने दर्शन लाल मारिया को 6-2, 6-2 से, सुरेश कुमार बाजोरिया ने कर्नल भीम सिंह को 6-1, 6-2 से हराया।

70 आयु वर्ग : दिलीप शिवपुरी ने जगत सिंह राठौड़ को 6-3, 6-1 से ए जे एस चटवाल ने थुलसी रामू को से हराया।

65 आयु वर्ग : अजय तलवार ने भाग नंद नेगी को 6-3, 6-2 से, योगेश शाह ने कर्नल सुनील पांडे को 6-0, 7-6(3) से, अनिल निगम ने प्रमोद दीक्षित को 6-3, 6-3 से,

60 आयु वर्ग: दीपांकर चक्रवर्ती ने दिनेश कुमार फुलवारिया को 6-3, 6-0 से परेश पटेल ने गौरी शंकर सैनी को 6-2, 7-5 से, चंद्र भूषण ने शशि भूषण को 6-3, 7-6(4) से, अनिल निगम ने प्रमोद दीक्षित को 6-2, 6-4 से, शिरीष नंदुरीकर ने शरद तक को 6-2, 6-4 से, अनिल कुमार ने सुभाष चंद्र शर्मा को 6-3, 6-1 से यसपाल अरोड़ा ने देव शंकर मिश्रा 6-4, 6-3 से हराया।

ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब ने सनराइज फुटबाल क्लब को 1-0 से हराया

जयपुर, 10 अप्रैल। ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड गाड़ोता, रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड और जेरथी सीकर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 4 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया। सभी 110 मैचों को होम अवे के सिद्धांत से खेले जाएंगे। अभी तक 13 मैच खेले जा चुके है।

प्रथम मैच : में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और सनराइज फुटबाल क्लब के बीच खेले गए रोमान्च मैच में करण को मिली फ्री कीक से ब्रदर्स यूनाइटेड ने मैच में 1-0 से जीता।

दूसरा मैच राजस्थान राइजिंग फुटबाल क्लब और ए एस ल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया राजस्थान राइजिंग क्लब ने मैच 2-1से जीता। आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में खेले गए मैच

तीसरा मैच : रॉयल फुटबॉल क्लब और रीयल जयपुर फुटबाल क्लब जयपुर के बीच खेला गया रॉयल क्लब ने मैच 3-1 से जीता। आज जेरथी सीकर के मैदान खेले गए मैच

चौथे मैच : जयपुर एलिट फुटबाल क्लब ने जयपुर राइजिंग फुटबाल क्लब को 5-1 से पराजीत किया। आगामी फुटबाल लीग के मैच 12 अप्रैल को खेले जाएंगे।

'जनता पानी के लिये परेशान हुई तो जिम्मेदार अफसरों की खैर नहीं'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने बढ़ती गर्मी में पेयजल सप्लाई की मैराथन बैठक ली

जयपुर, 10 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने, तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद, पेयजल की मांग और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार दोपहर मुख्यमंत्री निवास पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मी में जनता को अगर पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदार अफसरों की खैर नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ी है, ऐसे में आमजन को बढ़ी हुई मांग के अनुसार पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिला कलैक्टर कन्टिन्जैंसी प्लान के अनुसार पेयजल प्रबंधन स्वयं की देखरेख में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहरी के साथ-साथ, ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की किसी तरह की किल्लत नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि अंतिम छोर के उपभोक्ताओं को भी पेयजल की कोई दिक्कत नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पीएचईडी के फील्ड अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यालय पर उपस्थित रहें और बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी में पेयजल की मांग और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदारों की खैर नहीं।

■ सभी कलैक्टरों को कन्टिन्जैंसी प्लान के अनुसार, पेयजल प्रबंधन स्वयं की देखरेख में सुनिश्चित करने व शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की किल्लत नहीं होने देने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने, पुराने हैण्डपम्प, नलकूपों की मरम्मत, पाइपलाइनों को दुरस्त करने सहित, पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण के सभी कार्य 15 मई से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिला कलैक्टरों को एक-एक करोड़ रुपए का अनटाइड फंड उपलब्ध करवाया गया है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (पीएचईडी) भास्कर ए. सावंत ने बताया कि विभाग की वृहद् परियोजनाओं में कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से इनके कार्य करवाए जा रहे हैं।

'मोदी सरकार बेवजह झूठी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चार्जशीट राणा सहित 9 आरोपियों के खिलाफ दायर की गई थी। स्पेशल एनआइए कोर्ट ने दिल्ली में गैर जमानती वॉरंट जारी किए और इंटरपोल से फरार अपराधियों की गिरफ्तारी में मदद मांगी गई।

पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि यह सारी कवायद शांति से हो रही कानूनी कूटनीति थी न कि मीडिया स्टंट। वर्ष 2012 में विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और विदेश सचिव रंजन मथाई ने अमेरिका की तत्कालीन विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन व अंडर सैक्रेटरी वैंडी शरमन के समक्ष तहव्वुर राणा और हेडली का मुद्दा उठाया। जनवरी 2013 में हेडली को 35 साल की जेल हो गई और राणा को पहले ही जेल हो चुकी थी। भारत ने जोरदार तरीके से हेडली के प्रत्यर्पण की मांग उठाई। यूपीए सरकार ने उसकी सजा पर निराशा जताई।

अमेरिका में भारत की राजदूत निरुपमा राव लगातार यह मुद्दा उठाती रहीं। वर्ष 2015 में हेडली 26/11 केस में गवाह बन गया। वर्ष 2016 में मुम्बई कोर्ट ने उसे पूर्ण सहयोग की शर्त पर माफी दे दी, जिससे जैबुद्दीन अंसारी (अबु जुंडाल) के खिलाफ केस तैयार करने में मदद मिली।

दिसम्बर 2018 में, कानूनी बाधाओं के समाधान के लिये, एक टीम अमेरिका गई थी तथा जनवरी 2019 में एक बार फिर कहा गया था कि राणाको अपनी पूरी सजा अमेरिका में ही काटनी होगी। सजा में गुजरे समय को ध्यान में रखते हुये, उसकी रिहाई 2023 में तय हुई थी। ये "स्ट्रॉंग लीडर" क्षण नहीं, बल्कि न्याय के मंद गति से चलने वाले पहिये हैं, जो सालों की मेहनत से आगे बढ़ते हैं। चिदम्बरम को यह बात समझाने में काफी कष्ट उठाना पड़ा।

उन्होंने कहा, जून 2020 में, स्वास्थ्य कारणों से हुई राणा की रिहाई के बाद, भारत सरकार ने उसकी गिरफ्तारी का आग्रह किया। बाइडन सरकार ने उसके प्रत्यर्पण का समर्थन किया। मई, 2023 में, अमेरिकन अदालत ने "अमेरिका-भारत प्रत्यर्पण समझौते" के तहत, उसका प्रत्यर्पण प्रमाणित कर दिया। राणा ने अपील की और कई याचिकाएं दायर कीं, जिनमें बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका भी शामिल थी, और अंत में, दोहरी जोखिम का हवाला देते हुये, एक रिट याचिका अमेरिकन सुप्रीम कोर्ट में लगाई। उसकी सारी याचिकाएँ खारिज कर दी गईं। अंतिम इनकार, डॉनल्ड ट्रम्प के शपथ-ग्रहण समारोह के एक दिन बाद, 21 जनवरी, 2025 को किया गया।

फरवरी 2005 में, प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में एक साथ खड़े होकर, उस चीज का श्रेय लेने की कोशिश की, जो मूलत: यूपीए काल के कई सालों के ग्राउन्ड वर्क का परिणाम था। भारतीय अधिकारियों ने 17 फरवरी तक 26/11 के षडयंत्र में राणा की भूमिका की पुष्टि कर दी थी। यह पुष्टि काफी पहले, 2005 में ही कर दी गई थी। जब वह एलईटी तथा आईएसआई के सदस्यों के बीच समन्वय का कार्य कर रहा था। अन्त में, 8 अप्रैल 2025 को, अमेरिकन अधिकारियों ने राणा को भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया। वह 10 अप्रैल को नई दिल्ली आ गया।

तथ्य स्पष्ट होने ही चाहिये- मोदी सरकार ने इस प्रक्रिया की पहल नहीं की, न ही इसने कोई नया ब्रेक थ्रू ही किया। इसने तो केवल यूपीए-काल में शुरु की गई परिपक्व, सतत एवं रणनैतिक कूटनीति का लाभ लिया। यह प्रत्यर्पण किसी "ग्रान्ड स्टैन्डिंग" का परिणाम नहीं है। यह तो एक ऐसा विधान है, जिसे भारत सरकार प्राप्त कर सकती है, जब कूटनीति, विधि-प्रवर्तन (लॉ एनफोर्समैंट) तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग की दिशा में पूरी नेकनीयती से आगे बढ़ा जाता है तथा इसमें अपनी पीठ थपथपाने जैसे कोई चीज नहीं होती। तथ्यों को आम जनता तक पहुँचाते हुये, यह बयान समाप्त हुआ।

'बाल आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कहा गया कि आयोग अध्यक्ष का कार्यभार किसी आईएएस अधिकारी को देने का कोई प्रावधान ही नहीं है। विभाग की साल 2010 की अधिसूचना के तहत यदि अध्यक्ष का पद खाली होता है तो उसका कार्यभार आयोग के वरिष्ठ सदस्य को दिया जाता है। याचिकाकर्ता की ओर से इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं आईएएस कुलदीप रांका को बिना किसी प्रावधान अध्यक्ष पद का कार्यभार सौंपा गया है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता आयोग की वरिष्ठ सदस्य हैं।

क्या टैरिफ वॉर के कारण भारत को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके, जो कि "मेक इन इण्डिया" पहल के अनुरुप होगा।

वैश्विक व्यापार में हो रहे बदलाव कृषि और श्रम कानूनों में भी सुधार को गति दे सकते हैं, जिन्हें भारत में अक्सर द्वितीय पीढ़ी के सुधारों के रुप में देखा जाता है। इन क्षेत्रों में नए दबावों से निपटने के लिए, भारत लचीले श्रम कानूनों और कृषि आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार ला सकता है, जिससे किसानों को वैश्विक बाज़ारों से बेहतर तरीके से जुड़ने का अवसर मिले और अक्षम व्यवस्थाओं को कम किया जा सके।

ट्रेड का बदलता परिदृश्य भारत को डिजिटाइज़ेशन और टैक्नोलॉजिकल इनोवेशन (नवाचार) पर भी ध्यान केन्द्रित करने को प्रेरित कर सकता है।

इस क्षेत्र में द्वितीय पीढ़ी के सुधारों में, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाना, ई-कॉमर्स रैगुलेशन्स को सरल करना और आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस (ए.आई.) तथा ऑटोमेशन में निवेश आदि शामिल हो सकते हैं। इससे भारत को ग्लोबल टैक्नोलॉजिकल सैंटर के रुप में स्थापित होने में मदद मिलेगी, विशेषकर, यदि पारंपरिक निर्माण उद्योग अमेरिका में अधिक टैरिफ का सामना करते हैं।

इसके अलावा, भारत शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों में सुधार करके मानव संसाधन को भी मजबूत बना सकता है। द्वितीय पीढ़ी के सुधारों में व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्टैम (साइन्स, टैक्नॉलजी, इंजीनियरिंग एण्ड मैथमैटिक्स) शिक्षा में निवेश, और वैश्विक प्रतिभा को आकर्षित करने वाली नीतियाँ शामिल हो सकती हैं। ये सुधार टैक्नॉलजी और हरित ऊर्जा जैसे उभरते उद्योगों में भारत को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिला सकते हैं।

नई टैरिफ नीति भारत और अमेरिका के बीच व्यापार संतुलन को भी प्रभावित कर सकती है, और इसके जवाब में भारत विदेशी निवेश और टैक्नॉलजी ट्रांसफर को आकर्षित करने वाले सुधार लागू कर सकता है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में बाधाओं को दूर करके और निवेश-अनुकूल वातावरण बनाकर, भारत वैश्विक व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी बना रह सकता है।

तथापि, भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव के साथ तालमेल बिठाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर भारत अपने उद्योगों को सशक्त बनाना चाहता है, उसे एक ऐसे वैश्विक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बने रहना होगा, जहाँ "ट्रेडिशनल ट्रेड पैटर्न" बदल रहे हैं। इसके अलावा, द्वितीय पीढ़ी के सुधारों की गति को राजनीतिक और नौकरशाही शक्तियों से भी विरोध झेलना पड़ सकता है, विशेषकर कृषि, श्रम और भूमि सुधारों जैसे क्षेत्रों में। अमेरिका की शुल्क नीति से उत्पन्न व्यापक वैश्विक आर्थिक अस्थिरता भी भारत के लिए जोखिम पैदा कर सकती है, जिससे सावधानी से निपटना होगा।

इस प्रकार, अमेरिका की नई शुल्क नीति भारत को द्वितीय पीढ़ी के सुधारों को तेज करने के लिए प्रेरित कर सकती है, विशेषकर उन क्षेत्रों में, जो घरेलू प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार, और व्यापारिक साझेदारियों में विविधता लाने में सहायक हो सकती है। भारत की प्रतिक्रिया रणनीतिक सुधारों का एक मिश्रण हो सकती है, जैसे निर्माण, कृषि, श्रम कानून और व्यापार नीतियां, जो वैश्विक व्यापार परिवर्तनों के प्रति अर्थव्यवस्था को अधिक लचीला बना देंगी। ये सुधार भारत के, 21 वीं सदी में वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने के, दीर्घकालिक लक्ष्य के अनुरुप होंगे।

गृह मंत्री चेन्नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह थी कि अन्नामलाई के साथ काम करना उसके लिये मुश्किल होगा तथा वह राज्य भाजपा के अध्यक्ष के रुप में अन्नामलाई के अलावा, किसी अन्य नेता के साथ डील करना पसंद करेगी।

चूँकि अब अन्नामलाई अध्यक्ष पद छोड़ रहे हैं, इस महत्वपूर्ण पद के लिये अन्य नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। इस पद की दौड़ में विधायक नैनार नागेन्द्रन काफी आगे हैं, लेकिन अभी उन्हें पार्टी में आये 10 वर्ष नहीं हुये हैं, जबकि पार्टी नियमों के अनुसार, इस पद के लिये यह भी एक शर्त है। जयललिता तथा पन्नीर सेल्वम सरकारों में मंत्री रह चुके नागेन्द्रन, इस समय विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता हैं।

इस दौड़ में कोयम्बटूर दक्षिण की विधायक वनन्ती श्रीनिवासन, जो एक प्रतिष्ठित वकील भी हैं, भी शामिल हैं। वे इस समय भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं तथा 2022 से पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति की सदस्य भी हैं। उनका नाम उस समय विशेष रुप से उभरकर सामने आया था, जब उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनावों में जाने -माने अभिनेता कमल हासन को हराया था।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष तमिलिसाई सौंदरराजन तथा केन्द्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी इस दौड़ में शामिल हैं। मुरुगन भी पहले राज्य भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं।

विश्व सदमे में है, पहले अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं था, यानी, अमेरिकी सरकार वित्तीय बाज़ार से ऋण जुटाने में असफल हो रही थी।

जैसा कि सर्वविदित है, दुनिया भर की सरकारें अपने बकाया ऋणों का भुगतान वास्तव में कभी नहीं करतीं, वे केवल नया ऋण लेकर पुराने ऋण का भुगतान करती हैं। इस फंड की इस गतिविधि के बिना सरकारें ठप पड़ जाएँगी।

टैरिफ के कारण वित्तीय बाज़ारों में मची खलबली ने इस संभावना को जन्म दिया कि ट्रेज़री मार्केट पूरी तरह से ठप्प हो सकता है। इस संभावना को देखकर ट्रंप को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने तुरंत अपनी टैरिफ योजना को स्थगित करने का आदेश दिया। अमेरिकी बॉन्ड मार्केट की स्थिति ही कारण वह बनी, जिसने ट्रंप को पूरी तरह से अपने निर्णय को पलटने के लिए मजबूर किया।

दूसरी ओर, एक और बड़ा कारण यह था कि फोन की घंटियों की बाढ़ आ गई थी- यानी व्यापारिक अधिकारियों और उद्योगपतियों के फोन कॉल्स की भरमार थी, जो इस नीति को लेकर अपनी चिंता व्यक्त कर रहे थे।

इन कॉल्स के जरिए अमेरिकी उद्योग और व्यापार जगत के नेता ट्रंप को इस नीति को आगे न बढ़ाने की सलाह दे रहे थे।

इनमें प्रमुख आवाज़ थी जेपी मॉर्गन इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रमुख जैमी डिमोन की, जिन्होंने अपने वार्षिक पत्र में बैंक के शेयरधारकों को बहुत संयमित रुप में आगाह किया कि अमेरिका "नींद में चलते हुए मंदी की ओर बढ़ रहा है।"

ऐसे और भी कई लोगों ने इस संभावना की ओर इशारा किया था, जिनमें प्रमुख अर्थशास्त्री और पूर्व ट्रेजरी सचिव लैरी समर्स भी शामिल थे, जिन्होंने ट्रंप के आर्थिक पैकेज के बाद मंदी आने की भविष्यवाणी की थी।

"मंदी" शब्द अमेरिका के लिए डरावना है। इसका मतलब होता है- रोजगार और आय की हानि, बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी और वित्तीय बाज़ारों में उथल-पुथल। ये वही भयावह आर्थिक स्थितियाँ हैं, जो 1930 के दशक की महामंदी से जानी जाती हैं।

यहाँ तक कि ट्रंप के कुछ करीबी सहयोगी और समर्थक भी यह मानने लगे थे कि अमेरिका मंदी की ओर बढ़ रहा है, और एक बार यह शुरु हो गई तो कोई नहीं जानता कि यह कब और कहाँ जाकर रुकेगी।

इसके अलावा, कुछ शुरुआती परिणाम भी दिखने लगे थे। तेल की कीमतें गिर गई थीं और अमेरिका तेल का प्रमुख निर्यातक है। तेल और गैस उद्योग अमेरिकी अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। चीन को अमेरिका से तेल का निर्यात लगभग रुक चुका था, जिससे बाज़ार में अधिशेष (ग्लट) की स्थिति बन सकती थी।

कुल मिलाकर, डॉनल्ड ट्रंप की छवि को सीधा नुकसान हुआ है और वे अब अपनी हार के ज़ख्म सहला रहे हैं, हालांकि वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि सब कुछ उनकी योजना का हिस्सा था। घमंड का बुरा अंजाम।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908